भाद्रपद कृष्ण - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 23 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 14-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

6 मौलिक कर्तव्यों की अनदेखी क्यों?

7 ईशा कोप्पिकर निभा रही हैं एक स्नेही मां का किरदार

फर्स्ट टेक

ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी ने ईरान को प्रतिबंध की धमकी दी

बर्लिन/एपी। ईरान के अपने परमाणु कार्यक्रम पर पश्चिमी देशों के साथ वार्ता इस महीने के अंत तक पुनः शुरू करने और संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के साथ सहयोग करने की समय-सीमा करीब आने के बीच ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के शीर्ष राजनयिकों ने ईरान पर पुन: प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। 'ई3' के नाम से जाने जाने वाले तीनों देशों ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र को लिखे पत्र में कहा कि वे स्नैपबैक तंत्र के नाम से जानी जाने वाली प्रक्रिया को शुरू करने के लिए तैयार हैं, जो पश्चिमी पक्षों में से किसी एक को उस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की अनुमति देता है, जब तेहरान इसकी आवश्यकताओं का पालन नहीं करता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह पत्र पोस्ट किया। उन्होंने जर्मनी और ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिकों के साथ इस पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका पर सार्वजनिक ऋण रिकॉर्ड 37,000 अरब डॉलर

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज रिकॉर्ड 37,000 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। 'कांग्रेस का बजट कार्यालय' ने जनवरी 2020 में अनुमान लगाया था कि अमेरिका यह स्तर वित्त वर्ष 2030 के बाद ही छुएगा। लेकिन कर्ज उम्मीद से तेजी से बढ़ा। कर्ज बढ़ने का कारण कोविड-19 महामारी के दौरान अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से का बंद होना तथा ट्रंप तथा बाइडन प्रशासन ने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिए।

दक्षिण कोरिया: पूर्व राष्ट्रपति यून की पत्नी भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल की पत्नी को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी उनके खिलाफ रिश्वतखोरी, स्टॉक में हेराफेरी और एक उम्मीदवार के चयन में दखलंदाजी सहित विभिन्न आरोपों की जांच कर रहे हैं। गिरफ्तारी वारंट के लिए विशेष अभियोजक के अनुरोध को मंगलवार देर रात स्वीकार करते हुए 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने कहा कि यून की पत्नी किम कियोन सबूतों को नष्ट कर सकती हैं। लिबरल पार्टी की नई सरकार श्ररा किम के खिलाफ शुरू कराई गई यह जांच तीन विशेष अभियोजक पड़तालों में से एक है।

14-08-2025 सूर्यास्त 6:30 बजे | 15-08-2025 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
80,539.91 (+304.31)	24,619.35 (+131.95)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दलित कौन

पद पैसा रुतबे वाले भी,
कह दलित स्वयं को चले दाँव।
वोटों या निज हित के खातिर,
फैलाते नफरत मनमुटाव।
जो दलित कह रहे हैं खुद को,
करते आपस में भेदभाव।
ना होती जाति दलित सारी,
है व्यक्ति दलित जिसके अभाव।।

वैश्विक अशांति से निपटने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमने विपरीत परिस्थितियों में भी जीत हासिल की है और प्रगति एवं समृद्धि की यात्रा में हमने अनेक चुनौतियों का सामना किया है।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता भरे दौर का सामना कर रहे हैं, जहां कोविड महामारी, कई संघर्षों और व्यापार में बडे. बदलावों का लगातार सामना करना पड़ रहा है, इसलिए वैश्विक अशांति से निपटने के लिए आत्मनिर्भरता की मानसिकता होनी आवश्यक है।

जयशंकर ने यहां एक सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान कहा, ''वैश्वीकरण और शहरीकरण के युग में परंपराएं अक्सर समय के साथ खो जाती हैं, लेकिन हमने इन्हें संजोकर भारतीय पर्यटन को और भी अधिक आकर्षक बना दिया है।''

कार्यक्रम के विषय 'अजेय भारत की भावना' की ओर इशारा करते हुए जयशंकर ने कहा, हम एक सभ्यतागत राष्ट्र हैं, ऐसा राष्ट्र और समाज जिसने समय की कसौटी पर खरा उतरते हुए अपनी संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संजोकर रखा है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''हमारी असली ताकत हमारे लोग रहे हैं। हमारे लोग और उनका आत्मविश्वास। हमने विपरीत परिस्थितियों में भी जीत हासिल की है और प्रगति एवं समृद्धि की यात्रा में हमने अनेक चुनौतियों का सामना किया है।''

'फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी' ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। उन्होंने किसी भी देश का नाम लिए बगैर कहा, ''हम निश्चित रूप से एक उथल-पुथल भरे और अनिश्चित दौर में रह रहे हैं, जिसमें कोविड महामारी, अनेक संघर्षों (जिनमें से कई अब भी जारी हैं) और व्यापार में बडे.बदलावों का लगातार सामना करना पड़ रहा है।''

मंत्री ने कहा कि मजबूत घरेलू मांग वाले देशों ने बेहतर प्रदर्शन किया है और जाहिर है कि वे ऐसा करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ऐसे समय में मजबूत पर्यटन क्षेत्र का महत्व कम करके नहीं आंका जा सकता। आखिरकार, इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, उद्यमिता, रचनात्मकता, कौशल वृद्धि और रोजगार सृजन जैसी कई व्यापक संभावनाएं शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा कि वास्तव में कुछ गतिविधियां ऐसी हैं जो अर्थव्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करने और रोजगार बढ़ाने में अधिक योगदान देती हैं।

अपने खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई में राहुल गांधी ने अदालत से कहा

सावरकर और गोडसे की विचारधारा के लोगों से मुझे खतरे की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई कर रही पुणे की एक अदालत से बुधवार को कहा कि उन्हें विनायक दामोदर सावरकर और नाथूराम गोडसे की विचारधारा के लोगों से खतरे की आशंका है तथा ''निवारक सुरक्षा'' देना सरकार का संवैधानिक दायित्व है।

विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र सत्यकी सावरकर श्ररा दायर मानहानि के मुकदमे का सामना कर रहे गांधी ने यहां सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की विशेष अदालत के समक्ष एक आवेदन में यह दावा किया।

इस मामले में मुकदमा अभी शुरू होना है। यह गांधी श्ररा स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर के खिलाफ की गईं कथित टिप्पणियों से संबंधित है।

गांधी के वकील मिलिंद पवार श्ररा न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे के समक्ष दायर किए गए आवेदन में कहा गया कि शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर ने स्वीकार किया था कि वह मातृवंश के माध्यम से नाथूराम गोडसे और गोपाल गोडसे के भी प्रत्यक्ष वंशज हैं। नाथूराम और गोपाल गोडसे महात्मा गांधी की हत्या के मामले में प्रमुख आरोपी थे।

आवेदन में कहा गया कि गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उन्होंने हाल में नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर देश के सामने निर्वाचन आयोग श्ररा कथित चुनाव धोखाधड़ी किए जाने के सबूत रखे थे। इसमें कहा गया कि उन्होंने संसद परिसर में भी विरोध प्रदर्शन किया और ''वोट चोर सरकार'' जैसे नारे लगाए तथा हिंदुत्व विषय पर संसदीय बहस के दौरान प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई, जो कि जनता को अच्छी तरह से ज्ञात है।

आवेदन में कहा गया, इसके मद्देनजर, इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिकायतकर्ता, विनायक सावरकर की विचारधारा से जुड़े लोग और सावरकर के कुछ अनुयायी जो वर्तमान में सत्ता में हैं, गांधी के प्रति शत्रुता या नाराजगी रखते होंगे।

इसमें कहा गया, शिकायतकर्ता के वंश से जुड़ी हिंसक और संविधान-विरोधी प्रवृत्तियों के इतिहास और मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए, इस बात की स्पष्ट, उचित और पर्याप्त आशंका है कि राहुल गांधी को नुकसान पहुंचाया जा सकता है या अन्य प्रकार से निशाना बनाया जा सकता है...।

पाकिस्तान को सिंधु नदी का 80 फीसदी पानी देकर

कांग्रेस ने देश के साथ बेईमानी की : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को देकर देश के साथ बेईमानी की थी जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लेकिन सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान जाने के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कठोर कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को 'स्थगित' करना शामिल था।

चौहान ने अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा में तिरंगा यात्रा में हिस्सा लेते हुए कहा, कांग्रेस ने देश के साथ बेईमानी की थी। नेहरू जी (जवाहरलाल नेहरू) ने भी बेईमानी की। हमारी सिंधु, झेलम, चिनाब का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कह दिया कि पानी और खून एक साथ बह नहीं सकते। उन्होंने वह सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा नेहरू ने पाकिस्तान को पानी दिया और पैसे भी दिए लेकिन वहां से आए आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या की। उन्होंने कहा, हमने आतंक के अड्डे सटीक निशाना लगाकर खंडहर में बदल दिए। उन्होंने हमारे 26 निर्दोष नागरिकों को मारा, हमने आतंक के आकाओं की लाशों के ढेर पाकिस्तान में लगा दिए और पाकिस्तान की हिमाकत का जवाब दिया।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऑपरेशन महादेव को सफलता से अंजाम दिया। उन्होंने कहा, ये आज का भारत है, जो दुनिया की आंखों में आंखें मिलाकर बात करता है। अभी पड़ोसी देश गीदड़ भभकियां दे रहा है। भारत किसी भी गीदड़ भभकी से डरने वाला नहीं है।

अमेरिका में हिंदू मंदिर विरूपित किया

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के इंडियाना शहर में एक हिंदू मंदिर के नामपट्ट को विरूपित कर दिया गया जिसे भारतीय वाणिज्य दूतावास ने ''निंदनीय'' बताया है। मंदिर के आधिकारिक जनसंपर्क हैंडल ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह ''घृणित कृत्य'' ग्रीनवुड शहर स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। इसमें कहा गया है कि एक साल से भी कम समय में यह चौथी बार है जब किसी बीएपीएस मंदिर को निशाना बनाया गया है। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस कृत्य पर कड़ा संज्ञान लिया और इसे ''निंदनीय'' बताया। उसने 'एक्स' पर कहा, इंडियाना के ग्रीनवुड स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के मुख्य नामपट्ट का अपमान निंदनीय है। दूतावास ने कहा कि उसने ''शीघ्र कार्रवाई'' के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है। इसमें कहा गया है कि महावाणिज्य दूत ने ग्रीनवुड के मेयर सहित श्रद्धालुओं और स्थानीय नेतृत्व की एक सभा को भी संबोधित किया और ''वहाँ एकता एवं एकजुटता तथा उपद्रवियों के विरुद्ध सतर्कता बरतने का आह्वान किया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा

आवारा कुत्तों से जुड़ी याचिका पर गौर किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने आवारा कुत्तों से संबंधित एक याचिका का उच्चतम न्यायालय में तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किए जाने पर बुधवार को आश्वासन दिया कि वह इस पर गौर करेंगे।

प्रधान न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष एक वकील ने 'कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया)' की याचिका का उल्लेख किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि एक अन्य पीठ आवारा कुत्तों के संबंध में एक आदेश पहले ही पारित कर चुकी है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को कहा था कि कुत्तों के काटने की घटनाओं ने ''बेहद गंभीर'' स्थिति पैदा कर दी है और उसने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सभी आवारा कुत्तों को स्थायी रूप से ''शीघ्र अति शीघ्र'' स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। वकील ने न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी की अगुवाई वाली पीठ श्ररा मई 2024 में पारित उस आदेश का बुधवार को हवाला दिया, जिसमें आवारा कुत्तों के मुद्दे से संबंधित याचिकाओं को संबंधित उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने आश्वासन दिया कि वह इस पर गौर करेंगे।

'कॉन्फ्रेंस फॉर ह्यूमन राइट्स (इंडिया)' की याचिका में दावा किया गया है कि उस पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 का पालन नहीं किया जा रहा जिसमें आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए नियमित बधियाकरण और टीकाकरण कार्यक्रम अनिवार्य किए गए हैं। न्यायालय ने सोमवार को कहा था कि कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या समय के साथ बढ़ानी होगी। न्यायालय ने दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाएं।

पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द

शीर्ष अदालत ने आत्मसमर्पण को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम में पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत बुधवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के चार मार्च के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कुमार को जमानत दी गई थी। ओलंपिक पदक विजेता को एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा गया है। उच्चतम न्यायालय का यह आदेश सागर धनखड़ के पिता अशोक धनखड़ श्ररा दायर की गई उस अपील पर आया है जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के कुमार को जमानत देने के आदेश को चुनौती दी थी। कुमार और अन्य पर एक कथित संपत्ति विवाद को लेकर मई 2021 में धनखड़ पर छत्रसाल स्टेडियम में जानलेवा हमला करने का आरोप है।

एसआईआर विवाद पर न्यायालय ने कहा

मतदाता सूची स्थिर नहीं बनी रह सकती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को इस दलील से असहमति जताई कि चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कोई कानूनी आधार नहीं है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाता सूची ''स्थिर नहीं'' बनी रह सकती।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने दलील दी कि देशभर में इस कवायद के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

एनजीओ के अलावा, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बिहार में निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को चुनौती दी है। एडीआर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि एसआईआर पर निर्वाचन आयोग की अधिसूचना को कानूनी आधार के अभाव में और कानून में कभी भी विचारणीय नहीं होने के कारण रद्द कर देना जाना चाहिए। उन्होंने दलील दी कि इसे जारी रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग अपनी स्थापना के बाद से कभी भी ऐसी कोई कवायद नहीं कर सका और यह पहली बार किया जा रहा है और अगर ऐसा होने दिया गया तो केवल ईश्वर ही जानता है कि इसका अंत कहां होगा।

पीठ ने कहा, इस तर्क से तो विशेष गहन पुनरीक्षण कभी नहीं किया जा सकता। एक बार की कवायद केवल मूल मतदाता सूची के लिए की जाती है। हमारे विचार से मतदाता सूची कभी स्थिर नहीं हो सकती।

शीर्ष अदालत ने कहा, इसमें संशोधन होना ही चाहिए, अन्यथा निर्वाचन आयोग उन लोगों के नाम कैसे हटाएगा जिनकी मृत्यु हो गई है, पलायन कर चुके हैं या अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में चले गए हैं?''

पीठ ने शंकरनारायणन से कहा कि निर्वाचन आयोग के पास ऐसी कवायद करने का अधिकार है, जैसा वह उचित समझे। न्यायालय ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21(3) का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि ''निर्वाचन आयोग किसी भी समय, कारणों को दर्ज करके, किसी भी निर्वाचन क्षेत्र या निर्वाचन क्षेत्र के किसी हिस्से के लिए मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण का निर्देश दे सकता है...। न्यायमूर्ति बागची ने शंकरनारायणन से पूछा, जब प्राथमिक कानून कहता है कि 'ऐसे तरीके से जो उचित समझा जाए, लेकिन अधीनस्थ कानून ऐसा नहीं कहता...।

अगर पुतिन युद्ध रोकने पर सहमत नहीं हुए तो उन्हें 'गंभीर परिणाम' भुगतने पड़ेंगे: ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

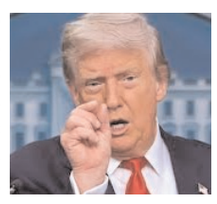

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अलास्का में शुक्रवार को होने वाली वार्ता में यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध रोकने पर सहमत नहीं हुए तो उन्हें इसके ''बहुत गंभीर परिणाम'' भुगतने पड़ेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ट्रंप ने यूरोपीय देशों के नेताओं के साथ बुधवार को हुई ऑनलाइन बैठक में ''बहुत स्पष्ट'' रूप से कहा है कि अमेरिका अलास्का में आगामी अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन में संघर्ष विराम समझौता चाहता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने समूह को बताया है कि पुतिन ट्रंप के साथ होने वाली बैठक से पहले ''गुमराह'' कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन ''यूक्रेनी मोर्चे के सभी क्षेत्रों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं'' ताकि यह दिखाया जा सके कि रूस ''पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा, ''पुतिन प्रतिबंधों के बारे में भी गुमराह रहे हैं, ऐसा लग रहा है, जैसे उनके लिए इनका (प्रतिबंधों) कोई मतलब ही नहीं है और न ही इनका उन पर (रूस पर) कुछ असर पड़ने वाला है। जबकि हकीकत तो यह है कि प्रतिबंध बहुत मददगार हैं और यह रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी असर डाल रहे हैं, जिससे वह युद्ध में कमजोर पड़ सकता है।''

बिहार में ईडी ने फिर की छापेमारी

पटना/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में कथित अवैध शराब तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले में बुधवार को फिर से छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बिहार के मुजफ्फरपुर, हरियाणा के गुरुग्राम, अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन और नामसाई तथा झारखंड के रांची में कम से कम सात स्थानों पर तलाशी ली जा रही है।

अमेरिकी शुल्क का प्रभाव छह महीने से ज्यादा टिकने वाला नहीं : सीईए नागेश्वरन

मुंबई/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चुनौतियां ज्यादा टिकने वाली नहीं है और एक या दो तिमाहियों में समाप्त हो जाएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि देश अन्य दीर्घकालिक चुनौतियों से जूझ रहा है और उन्होंने इससे निपटने के लिए निजी क्षेत्र से और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया। नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर में आई नरमी के लिए कर्ज से जुड़ी कड़ी स्थिति और नकदी की समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया।

वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत रही जो एक साल पहले 9.2 प्रतिशत थी।

महाभियोग से बचने के लिए न्यायमूर्ति वर्मा के पास इस्तीफा ही एकमात्र विकल्प: नियम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की है और ऐसे में संसद श्रेरा पद से हटाए जाने से बचने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पास इस्तीफा ही एकमात्र विकल्प बचा है। जांच समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य शामिल होंगे।

बिरला ने मंगलवार को लोकसभा में कहा, समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक प्रस्ताव (न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का) लंबित रहेगा। उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्हें गत 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कुल 146 सदस्यों श्रेरा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा था कि उक्त सूचना में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को एक समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है। शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति और उन्हें हटाने की प्रक्रिया से अवगत अधिकारियों ने बताया कि किसी भी सदन में सांसदों के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए न्यायमूर्ति वर्मा यह घोषणा कर सकते हैं कि वह पद छोड़ रहे हैं और उनके मौखिक बयान को उनका

इस्तीफा माना जाएगा। यदि वह इस्तीफा देने का फैसला करते हैं, तो उन्हें उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के बराबर पेंशन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

अधिकारियों ने कहा कि लेकिन यदि उन्हें संसद श्रेरा पद से हटाया जाता है, तो उन्हें पेंशन और अन्य लाभों से वंचित कर दिया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश ''राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर वाले पत्र श्रेरा पद से इस्तीफा दे सकता है। न्यायाधीश के इस्तीफे के लिए किसी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। एक सामान्य त्यागपत्र ही पर्याप्त है। न्यायाधीश पद छोड़ने के लिए एक संभावित तिथि दे सकता है। ऐसे मामलों में, न्यायाधीश पद पर रहने की अंतिम तिथि से पहले अपना इस्तीफा वापस ले सकता है। संसद श्रेरा पद से हटाया जाना एक अन्य तरीका है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने नकदी बरामदगी विवाद में फंसे न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। न्यायमूर्ति वर्मा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित आधिकारिक आवासीय परिसर से मार्च में अधजली नोटों की गड्डियां मिलने के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना की रिपोर्ट मामले की जांच करने वाले तीन न्यायाधीशों के आंतरिक पैनल के निष्कर्षों पर आधारित थी। सूत्रों ने पूर्व में बताया था कि न्यायमूर्ति खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, जब किसी न्यायाधीश को पद से हटाने का प्रस्ताव किसी भी सदन में स्वीकार कर लिया जाता है, तो (लोकसभा) अध्यक्ष या सभापति, जैसा भी मामला हो, तीन सदस्यीय समिति का गठन करेंगे। समिति उन आधारों की जांच करेगी, जिनके तहत न्यायाधीश को पद से हटाने (या दूसरे शब्दों में, महाभियोग) की मांग की गई है। समिति में प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) या उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश, 25 उच्च न्यायालयों में से एक के मुख्य न्यायाधीश और एक न्यायविद शामिल होते हैं। नियम के अनुसार, एक समिति का गठन किया जाना चाहिए और फिर समिति को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।

एलओसी पर सीमा सुरक्षा मजबूत कर रही स्मार्ट बाड़, रोबोटिक म्यूल और विशेष वाहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुंदरबनी (जम्मू कश्मीर)/भाषा। एआई-संचालित प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण बदलते सुरक्षा परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाते हुए सेना जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्मार्ट बाड़, रोबोटिक म्यूल' और दुर्गम इलाकों में चल सकने वाले वाहनों जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

क्वाडकॉप्टर, उन्नत निगरानी उपकरण, बुलेटप्रूफ वाहन, आधुनिक हथियार और अंधेरे में देखने में सहायक उपकरण सहित अन्य उपकरणों का 7 से 10 मई के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुंदरबनी के दूरदराज के क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना के अदम्य साहस को देखने के लिए मीडियाकर्मियों को एक दुर्लभ अवसर प्रदान करते हुए सेना ने इस समारोह को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है तथा सीमा पर गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने बताया कि 'आर्मडो' और सभी प्रकार के वाहनों जैसे उन्नत सैन्य वाहनों को शामिल किए जाने से सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी, ताकि वे किसी भी खतरे को, विशेष रूप से घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों से उत्पन्न खतरे को बेअसर कर सकें।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए 'पेड पोस्ट' चिन्हित करें मीडिया कंपनियां : एएससीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने मीडिया कंपनियों से बुधवार को कहा कि वे अपने सोशल मीडिया खातों पर साझा किए जाने वाले 'पेड पोस्ट' को चिन्हित करें।

विज्ञापन उद्योग के स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) ने विज्ञापनों को संपादकीय सामग्री समझे जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। परिणामस्वरूप, उसने ऐसे विज्ञापनों को प्रदर्शित होने से रोकने के लिए अपनी संहिता में एक प्रावधान जोड़ा है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि नए जोड़े गए खंड के तहत किसी भी मीडिया कंपनी श्रेरा 'पेड' या प्रायोजित सामग्री के शुरू में ही यह स्पष्ट करना होगा, ताकि दर्शकों को पहले से पता चल जाए कि यह प्रचारात्मक प्रकृति का है। बयान में कहा गया, विज्ञापन, साझेदारी, मुफ्त उपहार, प्रायोजित, प्लेटफॉर्म डिस्क्लोजर टैग'' और '' सहभागिता'' स्वीकार्य चिह्न (लेबल) हैं।

उच्च संपादकीय विश्वसनीयता वाले मंचों पर भ्रामक या अघोषित प्रचार के बारे में उपभोक्ता शिकायतें मिली थीं जिसके कारण नया खंड शामिल किया गया। एएससीआई की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं महासचिव मनीषा कपूर ने कहा, कई मीडिया संस्थान नियमित रूप से अपने सोशल मीडिया खातों पर संपादकीय सामग्री साझा करते हैं।

राष्ट्र निर्माण में सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना ज़रूरी : न्यायमूर्ति हेगड़े

अपने आप में अनुकरणीय है कलिंगा शैक्षणिक संस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। केंद्रीय मानव संसाधन विभाग के अंतर्गत आने वाले कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान(केआईएसएस), कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान(केआईआईटी) और कलिंगा आयुर्विज्ञान संस्थान के दो दिवसीय दौरे पर आए न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने स्कूल ऑफ लॉ ऑडिटोरियम में आयोजित 'सामाजिक मूल्यों का ह्रास और उसके परिणाम' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि समाज में सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है, जिसका असर आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा। विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा नहीं मिल रही है। हर पेशे में मूल्यों का ह्रास हो रहा है। इसके कारण भ्रष्टाचार सहित कई ज्वलंत समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मूल्यों की पुनर्स्थापना आज की आवश्यकता है। भ्रष्टाचारियों में कानून का कोई डर नहीं है। शिक्षित वर्ग में यह अभिशाप बढ़ता जा रहा है, यह और भी चिंताजनक है। शैक्षणिक संस्थानों को शिक्षा के साथ-साथ छात्रों में एक अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। युवाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र आज अत्यधिक विकास कर रहा है और राष्ट्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका अद्वितीय है।

उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव बताते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में उन्होंने 1860 से अधिक स्कूलों और शिक्षण संस्थानों का दौरा किया है, जिनमें से कलिंगा शिक्षण संस्थान सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यहाँ विद्यार्थियों को व्यापक शिक्षा मिल रही है। आदिवासी समुदाय, गरीब और नेत्रहीनों सहित सभी को एक ही छत के नीचे व्यापक शिक्षा मिल रही है। यह 20 हजार से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का एक विशाल शैक्षिक कोष है। यह सराहनीय है कि बड़ी संख्या में गरीब लोगों को मुफ्त भोजन, आवास और शिक्षा मिल रही है।

कबूतरों को दाना डालने के मामले में बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना डालने को लेकर उठे विवाद को सुलझाने के लिए लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए।

उन्होंने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि कुछ लोग कबूतरों को दाना डालने के मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर बंबई उच्च न्यायालय में सुनवाई हो रही है। फडणवीस ने कहा कि वे इन प्रयासों में सफल नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि कबूतरों को दाना डालने के लिए ऐसे स्थान बनाए जाएं जहां मानव बस्तियां न हों। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने स्वास्थ्य संबंधी खतरों का हवाला देते हुए दादर में एक लोकप्रिय स्थल समेत कबूतरखानों (कबूतरों को दाना डालने के स्थान) को बंद कर दिया है। इस फैसले का एक तबके ने विरोध किया है।

फडणवीस ने दादर में स्थित कबूतरखाना बंद होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, दो बातें स्पष्ट हैं - लोगों का स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है और उसकी रक्षा की जानी चाहिए। कुछ मुद्दे आस्था से भी जुड़े हैं। हम दोनों का ध्यान रख सकते हैं और कोई रास्ता निकाल सकते हैं। हम ऐसे स्थान बना सकते हैं जहां कोई मानव बस्ती न हो। इस समस्या के समाधान के कई तरीके हैं।

खराब मौसम के कारण हैदराबाद से उड़ानें रद्द, कई विमानों का मार्ग परिवर्तन

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में खराब मौसम के कारण राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गईं या उनका मार्ग परिवर्तित कर दिया गया। हवाई अड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विमानन कंपनी इंडिगो की कोच्चि, चेन्नई, पटना और अहमदाबाद की उड़ानें और इन गंतव्यों से वापसी की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि 11 विमानों को दूसरे हवाई अड्डों पर भेजा गया। बाद में इनमें से सात उड़ानें वापस आयीं और शाम तक हैदराबाद उतरीं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों के लिए बृहस्पतिवार तक 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम केंद्र के अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि हैदराबाद सहित कई जिलों के लिए ''भारी से बहुत भारी वर्षा'' की आशंका जताई गई है और इसके लिए 'ऑरेंज अलर्ट' भी जारी किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर ने प्रौद्योगिकी के सफल उपयोग का अवसर दिया: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल और देश की सुरक्षा का श्रेय देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने इस प्रौद्योगिकी को सफलतापूर्वक इस्तेमाल करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि मोदी ने खुद श्रीनगर के लाल चौक पर राष्ट्रध्वज फहराने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी और आज घाटी में हर हाथ तिरंगा थामे हुए है।

पाकिस्तान की ओर से बार-बार दी जा रही धमकियों के बारे में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मुझे इस पर ज़्यादा टिप्पणी करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि विदेश मंत्रालय इसका संज्ञान लेगा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में तिरंगा रैली का नेतृत्व करने वाले सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया बताया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय प्रौद्योगिकी को देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर से जो भी उपलब्धियां हासिल हुईं, वे पिछले 10 वर्षों में अपनाई गई प्रौद्योगिकी का परिणाम थीं। उन्होंने कहा कि इस तकनीक का इस्तेमाल मोदी के सत्ता में आने के बाद शुरू हुआ।

दूषित पानी पीने से आदिवासी स्कूल के कई छात्र बीमार

दूषित पानी पीने से आदिवासी स्कूल के कई छात्र बीमार

चंद्रपुर/भाषा। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक सरकारी आदिवासी स्कूल के कम से कम 80 छात्र कथित तौर पर दूषित पानी पीने से बीमार हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रभावित बच्चे चिमूर के जम्भुलघाट में स्थित आदिवासी आश्रम स्कूल के छात्र हैं।

अधिकारी ने बताया, रविवार को स्कूल में दूषित पानी पीने से कम से कम 70. 80 छात्र बीमार हो गए। उन्होंने उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की। आठ छात्रों को गंभीर हालत में चिमूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनमें से छह को छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने पहले ही इलाके का निरीक्षण कर लिया है और पंचायत समिति से आश्रम स्कूल के पानी का स्रोत को बदलने को कहा है।

भारत अमेजन की वृद्धि में बड़े योगदान वाले देशों में शामिल होने की राह पर: शीर्ष अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बुधवार को कहा कि भारत कंपनी की दीर्घकालिक वृद्धि में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक बनने की राह पर है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। अमेजन के भारतीय कारोबार प्रमुख समीर कुमार ने कहा कि उनकी कंपनी भारत में अपने निवेश एवं ध्यान को दोगुना कर रही है और अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। कुमार ने कहा कि भारत में ऑनलाइन उपभोग की प्रवृत्ति अभी बहुत गहरी नहीं हुई है जिससे कंपनी के लिए 'बहुत बड़ा अवसर' मौजूद है। उन्होंने बताया कि अमेजन 2025 में ही करीब 2,000 करोड़ रुपए का निवेश भारतीय परिचालन पर करेगी।

कंपनी वर्ष 2030 तक भारत में कुल 26 अरब डॉलर निवेश की योजना पहले ही घोषित कर चुकी है, जिसमें से 2023 से 2030 के बीच लगभग 15 अरब डॉलर निवेश किए जाने हैं। कुमार ने भारत को अमेजन के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बताते हुए कहा, लंबी अवधि में हमें पूरा विश्वास है कि भारत हमारी वृद्धि में प्रमुख योगदान देगा। उन्होंने कहा कि देश के करीब एक अरब मोबाइल फोन उपभोक्ताओं में से अभी 10 करोड़ लोग ही ऑनलाइन खरीदारी करते हैं। ऐसे में अगले 20 करोड़ खरीदारों तक पहुंचना कंपनी का लक्ष्य है। कुमार ने कहा कि आर्थिक वृद्धि, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी और खपत बढ़ने के साथ भारत में ऑनलाइन खरीदारी को महत्व देने वाले उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ेगी। अमेजन की नजर अब दूसरी, तीसरी श्रेणी के शहरों और उससे आगे तक फैले व्यापक बाजार पर है। कुमार ने कहा कि कंपनी विक्रेताओं के लिए घरेलू और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुगम बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम बहुत दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ रहे हैं और भारत में अभी बहुत काम बाकी है। उन्होंने हाल ही में बेंगलूरु और दिल्ली में शुरू की गई त्वरित आपूर्ति सेवा 'अमेजन नाउ' को ग्राहकों से जबर्दस्त समर्थन मिलने का दावा करते हुए कहा कि कंपनी की इस सेवा को देश के अन्य शहरों में भी ले जाने की योजना है।

भारतीय शिक्षण संस्थानों पर 9 महीने में 2 लाख से अधिक साइबर हमले, चार लाख डाटा में सेंध की कोशिश

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय शिक्षण संस्थानों को महज नौ महीनों में दो लाख से अधिक बार साइबर हमलों और जानकारी में सेंध लगाने की करीब चार लाख कोशिशों का सामना करना पड़ा है। यह खुलासा एक प्रायोगिक अध्ययन में हुआ है।

'भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के लिए साइबर खतरों और डिजिटल जोखिमों की तलाश' शीर्षक से यह अध्ययन साइबरपीस फाउंडेशन के महत्वकांक्षी ई-कवच पहल के तहत डेलनेट, रीसिक्योरिटी और ऑटोबोट इन्फोसेक के सहयोग से किया गया है। इस अध्ययन रिपोर्ट को बुधवार 'साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर' पहल की शुरुआत के साथ जारी किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों, संकाय, पुस्तकालयाध्यक्षों और कर्मचारियों को साइबर खतरों, डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग का मुकाबला करने के लिए कुशल बनाना है।

जुलाई 2023 और अप्रैल 2024 के बीच किए गए नौ महीने के अध्ययन में पाया गया कि 8,000 से ज्यादा विशिष्ट यूज़रनेम और 54,000 विशिष्ट पासवर्ड 'ब्रूट-फोर्स' हमलों (इसमें साइबर हमलावर कई संभावित कुंजी या पासवर्ड का इस्तेमाल कर डाटा तक पहुंचने की कोशिश करता है)में इस्तेमाल किए जा रहे थे। आम तौर पर लक्षित यूजरनेम में 'रूट' और 'एडमिन' शामिल थे, जबकि '123456' और 'पासवर्ड' जैसे कमज़ोर पासवर्ड का इस्तेमाल अक्सर किया जा रहा था। अध्ययन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि, भारतीय शैक्षणिक संस्थान पर मजबूत साइबर सुरक्षा वाले समकक्षों की तुलना में जानकारी में सेंधमारी की आशंका पांच गुना अधिक हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहला (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ मदनवाड़ा इलाके के जंगल में उस समय हुई जब सुरक्षाबलों का एक दल नक्सल विरोधी अभियान पर निकला था। उन्होंने बताया कि गोलीबारी बंद होने के बाद, घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में खोज अभियान जारी है। इस संबंध में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

एफटीए पर बातचीत पूरी दृढ़ता, बराबरी पर करता है भारत: जितिन प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बदले हुए भारत में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत पूरी दृढ़ता और बराबरी के आधार पर की जाती है। प्रसाद ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, जब हम अलग-अलग देशों के साथ एफटीए करते हैं, तो उनसे बराबरी के आधार पर बात करते हैं। यह नया भारत है, हम अपना पक्ष मजबूती से रखते हैं।

उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत,.. अमेरिका, यूरोपीय संघ, पेरू, चिली और न्यूजीलैंड सहित कई देशों के साथ व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहा है। अमेरिका के साथ भारत की अबतक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है और भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में कोई भी समझौता संभव नहीं है। प्रसाद यहां श्रेरका स्थित बौद्धिक संपदा कार्यालय (आईपीओ) की नवनिर्मित विस्तारित इमारत के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि नवाचार बौद्धिक संपदा का एक रूप ही नहीं, बल्कि संप्रभुता का प्रतीक भी है और यह भारत को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा। गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक विकसित देश में नवाचार, नए विचार, शोध एवं विकास प्राथमिकताएं रही हैं और ऐसे नवाचार के माध्यम से ही ये राष्ट्र समृद्ध हुए हैं।

उच्च शुल्क के खिलाफ किसानों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले फूंके

इंदौर/भाषा। भारत से आयातित वस्तुओं पर अमेरिका के घोषित उच्च शुल्क के खिलाफ विरोध जताते हुए मध्यप्रदेश के कई स्थानों पर किसानों ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुतले फूंके। संयुक्त किसान मोर्चा के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह विरोध प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय श्रम संगठनों के अखिल भारतीय आह्वान पर किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष बादल सरोज के मुताबिक कृषकों ने राज्य के करीब 40 जिलों में ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन किया और कई स्थानों पर अमेरिकी राष्ट्रपति के पुतले जलाए गए। उन्होंने कहा,''भारत से आयातित वस्तुओं पर ट्रंप का घोषित उच्च शुल्क भारतीय किसानों और मजदूरों के हितों के सरासर खिलाफ है। ट्रंप अमेरिकी माल को भारत में किसी भी तरह खपाना चाहते हैं, जबकि भारत से उनके देश को होने वाले निर्यात को रोकना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की अनुचित सौदेबाजियां नहीं होनी चाहिए।

रेल मंत्रालय ने स्टेशन पर एकल ब्रांड प्रीमियम स्टोर खोलने की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने विभिन्न जोन से कहा है कि यदि मांग और औचित्य हो तो वे ई-नीलामी के जरिये विभिन्न स्टेशन पर एकल ब्रांड, कंपनी के स्वामित्व वाली प्रीमियम दुकान के लिए स्थान आवंटित कर सकते हैं।

मंत्रालय ने 11 अगस्त, 2025 को जारी एक आधिकारिक पत्र में हवाई अड्डों की तर्ज पर प्रीमियम एकल ब्रांड दुकानें खोलने के संबंध में दिशा-निर्देशों के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के प्रस्ताव का जवाब दिया। इसमें कहा गया कि मामले की जांच करने के बाद यह निर्णय लिया गया है कि दुकानें मौजूदा नीति के तहत आवंटित की जा सकती हैं न कि नामांकन के आधार पर।

मंत्रालय ने कहा, संबंधित मंडल/जोन यात्रियों की संख्या, स्थान की उपलब्धता, यात्री जनसांख्यिकी और अन्य प्रासंगिक स्टेशन-विशिष्ट विशेषताओं के आधार पर प्रीमियम स्थानों और उपयुक्त उत्पाद/सेवा श्रेणियों की पहचान करेंगे।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि दुकानों का आवंटन ई-नीलामी नीति के अनुसार किया जाएगा।

उसने कहा, ऐसे ठेके देने के लिए, ई-नीलामी मॉड्यूल के भीतर एक समर्पित ''प्रीमियम स्टोर्स'' खंड बनाया जा सकता है। सफल बोलीदाता आउटलेट के लिए ब्रांड/ब्रांडों का निर्णय ले सकता है। पत्र में कहा गया कि जोन सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी दुकानें स्टेशन के माहौल और भारतीय रेलवे की छवि को बेहतर बनाएं।

मंत्रालय ने कहा, संबंधित मंडल आवश्यकतानुसार अनुबंध की विशेष शर्तें तैयार कर सकते हैं।

इससे पहले, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा था कि उसके कई स्टेशन के पुनर्विकास कार्य, प्रमुख उन्नयन और एबीएसएस (अमृत भारत स्टेशन योजना) को चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एससीआर ने कहा, यात्रियों को प्रदान की जा रही विश्व स्तरीय सुविधाओं के अनुरूप, यात्रा में इस्तेमाल समान की कंपनियों (सैमसोनाइट/अमेरिकन टूरिस्टर/वीआईपी आदि), परिधान (एरो/वैन ह्यूसेन/पीटर इंग्लैंड/बीबा आदि), जूते और स्पोर्ट्स गियर (नाइकी/एडिडास/रीबॉक आदि) और अन्य वस्तुओं जैसे विभिन्न गैर-खानपान श्रेणियों के प्रीमियम सिंगल ब्रांड की दुकानों को स्टेशन पर खोलने की अनुमति देने की आवश्यकता है, जैसा कि हवाई अड्डों पर यात्रियों को दी जाती है।

एससीआर ने इसी के साथ इस संबंध में मंत्रालय से दिशानिर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया था।

अन्नाद्रमुक के नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य मैत्रेयन द्रमुक में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तीन बार राज्यसभा सदस्य रह चुके वी मैत्रेयन ने बुधवार को अन्नाद्रमुक नेतृत्व पर आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में सत्तारूढ़ द्रमुक में शामिल हो गए। इसके तुरंत बाद, अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने मैत्रेयन को पार्टी से निष्कासित कर दिया। मैत्रेयन ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक के लिए, दिल्ली (भाजपा) स्विच बोर्ड है जो मामलों का फैसला करती है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य विपक्षी दल में कई नेता असंतुष्ट हैं। हाल ही में, अन्नाद्रमुक छोड़कर, पूर्व मंत्री ए अनवर राजा और पूर्व विधायक वी आर कार्तिक थोंडैमन भी द्रमुक में शामिल हो चुके हैं।

अन्नाद्रमुक के संगठन सचिव का पद संभाल रहे मैत्रेयन यहां द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' में, दुरईमुरुगन और के एन नेहरू और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन सहित वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हुए। अक्टूबर 2022 में, मैत्रेयन को निष्कासित नेता, पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम का समर्थन करने के लिए अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया गया और वह जून 2023 में भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने 12 सितंबर, 2024 को भाजपा छोड़ दी और अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल हो गए। पेशे से मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, 69 वर्षीय मैत्रेयन ने 1990 के दशक में भगवा पार्टी में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और दो दशकों से भी ज़्यादा समय तक वे अन्नाद्रमुक में रहे। 2002 से अन्नाद्रमुक ने उन्हें तीन बार उच्च सदन भेजा। राज्यसभा में उनका आखिरी कार्यकाल 2013 से 2019 तक था। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने पार्टी क्यों छोड़ी, मैत्रेयन ने पत्रकारों से कहा कि अन्नाद्रमुक जिस तरह से काम कर रही है, वह ठीक नहीं है और यहां तक कि अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन की घोषणा भी केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने ही की थी। उन्होंने कहा कि वह अन्नाद्रमुक से खुश नहीं थे और कुछ लोगों ने पार्टी को अपने नियंत्रण में कर लिया है। पूर्व सांसद ने दावा किया कि हालांकि उन्हें संगठन सचिव का पद दिया गया था, लेकिन पार्टी के कामों में उनका इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, इसीलिए मैंने अन्नाद्रमुक छोड़ दी। मैत्रेयन ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक में शामिल होने का उनका फैसला तमिल भूमि, भाषा और राज्य की गरिमा (द्रमुक का नारा मन, मोझी, मानम कप्पोम) की रक्षा के लिए था। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी के चुनाव प्रचार को लेकर उन्होंने दावा किया कि भारी भीड़ नकली थी। उन्होंने कहा कि इतनी भीड़ देखकर, अन्नाद्रमुक प्रमुख खुद को पार्टी संस्थापक एम जी रामचंद्रन और दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता के समकक्ष नेता मानते हैं। एक कहावत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी कभी भी राज्य में उन दो दिवंगत नेताओं के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं कर सकते।

मैत्रेयन ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक में कई भ्रम हैं, जिनमें शीर्ष नेतृत्व और प्रतिभा के उपयोग से संबंधित भ्रम शामिल हैं, और कई पदाधिकारी असंतुष्ट हैं। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली (भाजपा) वह स्विच बोर्ड है जो निर्णय लेता है और अन्नाद्रमुक नेतृत्व उनके निर्देशों के पालन को बाध्य है। मैत्रेयन ने दावा किया कि इतना ही नहीं, शाह ने कहा कि अगर राजग 2026 का विधानसभा चुनाव जीतता है तो एक गठबंधन सरकार बनेगी और उन्होंने एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी पेश किया है।

उन्होंने दो-भाषा नीति सहित कई मुद्दों पर अन्नाद्रमुक और भाजपा के अलग-अलग रुख की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसलिए कोई स्पष्टता नहीं है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि द्रमुक कुल 234 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक सीटें जीतेगी और सत्ता बरकरार रखेगी।

डॉक्टरेट पाने वाली महिला ने राज्यपाल का बहिष्कार किया

कार्यक्रम में कुलपति से ली उपाधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली एक महिला ने राज्यपाल आर.एन. रवि का बहिष्कार किया।

कुलपति एन. चंद्रशेखर सहित विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारी मंच पर राज्यपाल के पास खड़े थे और उपाधि प्राप्त करने वाले एक-एक करके मंच पर आए और उन्होंने रवि को अपने प्रमाण पत्र दिए, तस्वीरें खिंचवाईं और उनसे उपाधि प्राप्त की। हालांकि डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली एक महिला रवि के पास से गुजरी और चंद्रशेखर को अपनी उपाधि दी और उनसे ही इसे प्राप्त किया। महिला ने बाद में अपना नाम जियां राजन बताया।

जियां ने पत्रकारों से जानना चाहा कि राज्यपाल ने राज्य के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा कि यह उनकी उपाधि है और इसलिए यह तय करना उनका अपना फैसला है कि उन्हें यह किससे लेनी है।

जियां ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने 'तमिल व तमिलनाडु' के खिलाफ काम किया है और यह उन्हें परेशान करता है इसलिए वह उनसे उपाधि नहीं लेना चाहतीं। कुलपति ने हालांकि मंच पर जियां को राज्यपाल से डिग्री लेने के लिए कहा था लेकिन वह ऐसा करने को तैयार नहीं थीं।

जियां राजन ने कहा कि वह नागरकोइल में एक कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम करती हैं। उन्होंने कहा कि वह 'द्रविड़ मॉडल' में विश्वास करती हैं और उनका फैसला उसी पर आधारित है। बताया जा रहा है कि जियां राजन के पति नागरकोइल शहर में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पदाधिकारी हैं।

सरकारी वकीलों के वेतन में होगी वृद्धि, निपाह मरीज के लिए सहायता की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में सरकारी वकीलों को लाभ पहुंचाने वाले कई फैसलों को मंजूरी दी गयी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। सीएमओ की विज्ञप्ति के अनुसार राज्य भर के सरकारी वकीलों के वेतन में वृद्धि होगी। विज्ञप्ति के मुताबिक जिला सरकारी वकीलों और सरकारी अभियोजकों का मासिक पारिश्रमिक 87,500 रुपये से बढ़कर 1.10 लाख रुपये हो जाएगा जबकि अतिरिक्त सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजकों का वेतन 75,000 रुपये से बढ़कर 95,000 रुपये हो जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार सरकारी कार्य में जुटे वकीलों को अब 20,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। यह संशोधन एक जनवरी, 2022 से पूर्वव्यापी रूप से प्रभावी होगा। एक अन्य निर्णय में मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य कार्यकर्ता टिट्टो थॉमस की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 17 लाख रुपये मंजूर किए हैं। टिट्टो थॉमस 2023 में निपाह इंसेफेलाइटिस से संक्रमित होने के बाद एक वर्ष से अधिक समय तक बेहोश रहे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में थॉमस का इलाज चल रहा है। मंत्रिमंडल ने थालास्सेरी स्थित वी.आर.कृष्णा अय्यर मेमोरियल स्टेडियम को कड़ी शर्तों के अधीन स्थानीय नगरपालिका को 10 वर्षों के लिए पट्टे पर देने का भी निर्णय लिया है। सरकार ने कहा कि स्टेडियम का इस्तेमाल केवल खेल-संबंधी गतिविधियों के लिए ही किया जा सकेगा और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी। नगरपालिका अध्यक्ष और खेल एवं राजस्व विभागों के प्रतिनिधियों के नेतृत्व में एक समन्वय समिति इस खेल केंद्र का प्रबंधन करेगी।

तुरैयूर नगरपालिका सील हटाए, आईडीबीआई बैंक की त्रिची शाखा को काम करने दे : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को तमिलनाडु के त्रिची (तिरुचिरापल्ली) जिले की तुरैयूर नगरपालिका को आईडीबीआई बैंक की एक शाखा पर लगाए गए सील को हटाने और उसे काम करने की अनुमति देने का निर्देश दिया। नगरपालिका ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के छह अगस्त के आदेश के बाद परिसर को सील कर दिया। उच्च न्यायालय ने परिसर को 48 घंटे के भीतर सील करने का निर्देश दिया था। आईडीबीआई की उक्त शाखा तिरुचिरापल्ली जिले में एक किराए के परिसर से संचालित की जा रही थी। एक शिकायत के आधार पर, अनधिकृत निर्माण को हटाने के लिए नगर निकाय ने यह कार्रवाई शुरू की थी।

उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष यह मामला जब सुनवाई के लिए आया तब बैंक का पक्ष रखने के लिए पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि शाखा 2014 से उक्त परिसर से संचालित की जा रही है जिसे स्थानीय नगरपालिका ने सील कर दिया है। भाटी ने कहा कि शाखा में करीब 20 हजार ग्राहकों के खाते हैं और उसमें स्ट्रॉन्ग रूम और लॉकर सुविधा भी है। उन्होंने अदालत से बैंक शाखा को स्थानांतरित करने के लिए तर्क संगत समय देने और अंतरिम तौर पर उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया।

पीठ ने भाटी की दलीलों पर विचार करने के बाद बैंक को परिसर खाली करने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया। न्यायालय ने बैंक की याचिका का निस्तारण करते हुए कहा, ''इस बीच, परिसर को सील करने के उच्च न्यायालय के निर्देश को स्थगित रखा जाएगा और नगर पालिका, जिसने नौ अगस्त को पहले ही परिसर को सील कर दिया है, वह सील हटाएगी तथा बैंक को सामान्य तरीके से काम करने देगी।''

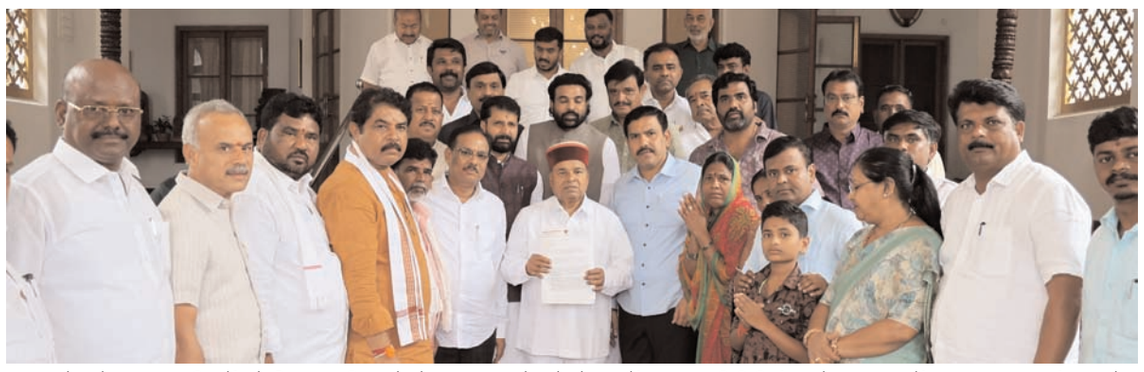

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

केरल भाजपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव जीतने के संबंध में आरोपों पर सुरेश गोपी का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/त्रिशूर/भाषा। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का शीर्ष नेतृत्व बुधवार को केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी के समर्थन में उतर आया, जो त्रिशूर से 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस नीत यूडीएफ और माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ के बढ़ते हमलों का सामना कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मतदाता सूची में हेरफेर के दावे सहित अन्य आरोपों को खारिज कर दिया तथा आग्रह किया कि ऐसी किसी भी शिकायत को जनता को ''मूर्ख बनाने और भड़काने'' के लिए इस्तेमाल करने के बजाय निर्वाचन आयोग या अदालतों में ले जाया जाना चाहिए।

गोपी ने विवाद के बीच अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया, लेकिन मीडिया के सवालों पर वह चुप रहे, जिससे भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को यह कहना पड़ा कि पार्टी उनकी ओर से जवाब देगी। सुरेंद्रन ने त्रिशूर में संवाददाताओं से कहा, ''सुरेश गोपी को इस पर प्रतिक्रिया देने की कोई ज़रूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग इससे असंतुष्ट हैं, उन्हें निर्वाचन आयोग (ईसीआई) या अदालतों का रुख करना चाहिए। उन्होंने यह भी पूछा कि त्रिशूर लोकसभा चुनाव से पहले जब कथित मतदाता सूची में हेराफेरी हुई थी, तब यूडीएफ और एलडीएफ क्या कर रहे थे। पार्टी ने गोपी की लोकसभा चुनाव में जीत से संबंधित आरोपों के विरोध में त्रिशूर पुलिस आयुक्त कार्यालय तक मार्च भी निकाला। दूसरी ओर, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने इस मामले की व्यापक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को जांच के लिए तैयार रहना चाहिए और राज्य सरकार को इसमें सहयोग करना चाहिए।

सतीशन ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के ठीक बाद यूडीएफ और एलडीएफ, दोनों ने शिकायत की थी कि लगभग 60,000 से 80,000 मतदाताओं को अवैध रूप से सूची में शामिल किया गया है, लेकिन जिला प्रशासन ने कहा कि एक बार नाम सूची में आ जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, 'इसलिए यह कोई नया मुद्दा नहीं उठा रहे हैं। (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी ने हाल ही में इस मुद्दे को उठाया है। इस पर पूरे देश में चर्चा हुई और इसीलिए त्रिशूर में जो हुआ, उसे अब उठाया जा रहा है।' इससे पहले, बुधवार को चंद्रशेखर ने आरोपों की सत्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये दावे गोपी के लोकसभा चुनाव जीतने के डेढ़ साल बाद किए जा रहे हैं। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि ऐसे मुद्दों को निर्वाचन आयोग या अदालतों में शिकायत या चुनाव याचिका दायर करके उठाया जाना चाहिए।

उन्होंने तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत में दावा किया, ''वे ऐसा नहीं करते। इसके बजाय, वे झूठ बोलकर जनता को भड़काने या अपने दुष्प्रचार से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। यह सब दिखावा है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस तरह के नाटक कर रहे हैं। गोपी त्रिशूर पहुंचे और एक भाजपा कार्यकर्ता से मिले, जो मंगलवार को एक विरोध प्रदर्शन में घायल हो गया था। त्रिशूर रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद मंत्री ने कांग्रेस और भाकपा के आरोपों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया।

अस्पताल में, उन्होंने बस इतना कहा, ''इतनी मदद के लिए शुक्रिया।'' यह स्पष्ट नहीं था कि वह किसकी बात कर रहे थे। छत्तीसगढ़ में हाल ही में दो नन की गिरफ्तारी के संबंध में अपनी चुप्पी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे गोपी ने एर्नाकुलम जिले के अंगमाली में उनमें से एक के घर का दौरा किया। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी पर नए आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल होने के लिए झूठा शपथ पत्र जमा किया था।

इससे पहले, भाकपा नेता वी एस सुनील कुमार ने सोमवार को आरोप लगाया था कि मतदाता सूची में स्पष्ट रूप से हेरफेर हुई थी, जिससे त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र में गोपी की जीत हुई। गोपी ने त्रिशूर सीट पर 74,000 से अधिक मतों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत हासिल की थी। उन्होंने कुमार और कांग्रेस उम्मीदवार के मुरलीधरन को कड़े त्रिकोणीय मुकाबले में हराया था।

इससे पहले, मंगलवार को केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने मतदाता सूची में व्यापक हेरफेर की खबरों के मद्देनजर, निर्वाचन आयोग से त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में फिर से चुनाव कराने का आग्रह किया।

कर्नाटक सरकार की नई योजना, वैश्विक शिक्षा का द्वार खुलेगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विदेश में पढ़ाई अब सिर्फ़ अमीरों की ही नहीं, बल्कि सभी की पहुँच में है। अब समय आ गया है कि जो लोग विदेश में पढ़ाई का सपना देखते हैं, वे इसे साकार करें। यह सब कर्नाटक सरकार की नई योजना से संभव हो रहा है। आर्थिक रूप से कमज़ोर और मध्यम वर्गीय पृष्ठभूमि के छात्र भी अब बिना किसी परेशानी के विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। कौशल विकास विभाग के अंतर्गत कर्नाटक व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास निगम (केवीटीएसडीसी) ने रविवार, 17 अगस्त को होटल ललित अशोक में अंतर्राष्ट्रीय विदेश अध्ययन मेला-2025 का आयोजन किया है।

इस विशेष आयोजन में 50 से ज़्यादा अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालयों के भाग लेने की उम्मीद है। ये संस्थान दुनिया के शीर्ष 500 संस्थानों में शुमार हैं। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका मंत्री और रायचूर ज़िले के प्रभारी डॉ. शरण प्रकाश आर. पाटिल ने और जानकारी दी। उन्होंने कहा, समाज के सभी वर्गों के छात्रों को विदेश में अध्ययन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। देश में पहली बार ऐसी योजना लागू की जा रही है। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि यह वैश्विक शिक्षा का प्रवेश द्वार है। हमारा उद्देश्य विदेश में अध्ययन के लिए भारत छोड़ने वाले छात्रों को हर तरह की सहायता प्रदान करना है। सरकार द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम छात्रों के लिए और अधिक सुलभ होगा। मंत्री ने बताया कि शैक्षणिक प्रगति से लेकर कानूनी सहायता तक, सब कुछ उपलब्ध होगा।

डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने स्पष्ट किया कि यह एक्सपो अधिक विश्वसनीयता और पारदर्शिता प्रदान करेगा। हम बिना किसी एजेंसी शुल्क, विश्वविद्यालय चयन आदि के निःशुल्क मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

भाजपा ने हिंदू कार्यकर्ता हत्या मामले में एनआईए जांच की मांग की, राज्यपाल को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से आग्रह किया कि वह कोप्पल में एक हिंदू कार्यकर्ता की हत्या की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने के लिए राज्य सरकार को राजी करें। भाजपा ने इस मामले में जिहादी चरमपंथी समूहों पर 'गहरी साजिश' रचने का आरोप लगाया।

राजभवन में राज्यपाल को सौंपे गए एक विस्तृत ज्ञापन में भाजपा विधायकों ने कहा कि अनुसूचित जनजाति वाल्मीकि समुदाय के नेता गविसिद्दप्पा नायक की तीन अगस्त को कोप्पल शहर में सैयद नदीमुल्लाह कादरी मस्जिद के सामने बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस हत्या में पीएफआई और एसडीपीआई की ''छाप'' नजर आती है। उसने कांग्रेस सरकार पर 'खतरनाक तत्वों' के प्रति नरम रुख' दिखाने का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया है, तीन अगस्त 2025 को गविसिद्दप्पा नायक नामक व्यक्ति की नृशंस और निर्मम हत्या से कोप्पल की शांति और सौहार्द भंग हो गया। यह हत्या कोप्पल शहर के मध्य में स्थित मस्जिद के ठीक सामने शाम 7.30 से आठ बजे के बीच हुई। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी सादिक कोलकर ने हत्या से एक दिन पहले कोप्पल में खुलेआम तलवारों और छुरों के साथ परेड की थी और सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किए थे। उन्होंने कहा, ''पुलिस ने उसी दिन एहतियातन गिरफ्तारियां की होतीं तो शायद हत्या को रोका जा सकता था। हम पुलिस पर कर्तव्य में लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रुख का आरोप लगाते हैं।'' ज्ञापन के अनुसार नायक को पहले बातचीत के लिए एक राजमार्ग पर बुलाया गया, लेकिन बाद में कोप्पल कस्बे में उनकी हत्या कर दी गई। इसमें कहा गया है, ''मंशा बिल्कुल स्पष्ट है - हिंदुओं में आतंक पैदा करना और समाज को यह साबित करना कि वे किसी को भी बिना स्वयं कोई सजा पाए मार सकते हैं और आराम से बच सकते हैं।''

भाजपा ने आरोप लगाया कि हमले की प्रकृति सिर काटना और गला काटना तटीय कर्नाटक में हिंदू कार्यकर्ताओं की पहले हुई हत्याओं से मिलती जुलती है। पार्टी ने कहा, ''हत्या के पीछे की मंशा, तरीके और मकसद को देखते हुए, निर्विवाद रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इस कोप्पल हत्याकांड में एसडीपीआई और पीएफआई की पूरी छाप है।'' ज्ञापन में कहा गया, ''तटीय जिलों में सक्रिय जिहादी ताकतें कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कोप्पल में प्रवेश कर चुकी हैं। इसे शुरू में ही नष्ट कर देना चाहिए, नहीं तो यह पूरे उत्तर कर्नाटक क्षेत्र में फैल जाएंगी।''

ज्ञापन में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और गृह मंत्री जी परमेश्वर पर ऐसे तत्वों से निपटने में नरम रुख अपनाने का भी आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया है, मुख्यमंत्री श्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का कायरतापूर्ण रवैया और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर का ढुलमुल रवैया इस खूनी अध्याय का मुख्य कारण रहा है। कोप्पल इसका नवीनतम उदाहरण है। भाजपा विधायकों ने दलील दी कि एनआईए जांच कर्नाटक में अन्यत्र सक्रिय जिहादी ताकतों के ''नापाक मंसूबों'' को उजागर करने के लिए आवश्यक है। विधायकों ने दावा किया कि हत्यारों को विदेश से वित्तपोषित करने वाले 'स्लीपर सेल' द्वारा प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया गया था''। उन्होंने कहा कि केवल एक केंद्रीय जांच ही 'निष्पक्ष, पारदर्शी और संपूर्ण जांच' सुनिश्चित कर सकती है। राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप की उम्मीद जताते हुए भाजपा ने कहा, ''हमें पूरी उम्मीद है कि महामहिम हमारे अनुरोध पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे तथा राज्य सरकार पर गविसिद्दप्पा नायक हत्या मामले को तुरंत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने के लिए दबाव डालेंगे।'' नायक की हत्या से कोप्पल और उत्तरी कर्नाटक के अन्य भागों में व्यापक आक्रोश फैल गया तथा विपक्षी नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर चरमपंथी हिंसा को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और मुख्य आरोपी कोलकर की तलाश तेज कर दी है। वहीं केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने का दबाव बढ़ रहा है। वहीं, बुधवार को इस मुद्दे की गूंज राज्य विधानसभा में भी सुनाई दी। शून्यकाल के दौरान मामला उठाते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि वाल्मीकि समुदाय के नायक की दूसरे समुदाय की महिला से प्रेम करने के कारण जघन्य हत्या कर दी गई। भाजपा नेता ने कहा कि आरोपियों ने हत्या से एक दिन पहले ही चाकू का इस्तेमाल कर रील बनायी थी और इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा सावधानी न बरतने के कारण यह हत्या हुई। विजयेंद्र ने दावा किया कि विरोध प्रदर्शन के बाद ही पुलिस ने कार्रवाई की और गिरफ्तारियां कीं।

उन्होंने नायक के परिवार के गरीब होने का हवाला देते हुए उनके लिए मुआवजे की मांग की, जैसा कि मंगलूरु में मारे गए मोहम्मद फाजिल के परिवार को 25 लाख रुपये दिए गए थे। उन्होंने कहा, ''चूंकि गविसिद्दप्पा नायक का परिवार गरीब है, इसलिए कम से कम 50 लाख रुपये का मुआवजा, दो एकड़ जमीन और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा कि मामला एनआईए को सौंप दिया जाना चाहिए, क्योंकि पुलिस विभाग पर भरोसा नहीं है। बाद में विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने जब कहा कि सरकार बृहस्पतिवार को इस मुद्दे पर जवाब देगी, क्योंकि गृह मंत्री सदन में मौजूद नहीं थे, तो भाजपा सदस्यों ने गंभीर मामला होने के कारण आज ही जवाब देने की मांग की।

हवाई अड्डे पर यात्री से बरामद किये गए लुप्तप्राय प्रजातियों के सरीसृप

बेंगलूरु। देवनहल्ली के पास स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकाक से आए एक यात्री के पास से सांप सहित कई लुप्तप्राय प्रजातियों के सरीसृप जब्त किये हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह जब्ती मंगलवार को सामान की जांच के दौरान की गई। उन्होंने बताया कि यात्री ने सामान के अंदर बक्सों में सरीसृपों को छिपाकर रखा था।

पिकअप के ट्रेलर से टकराने से 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले के सैंथल थाना क्षेत्र में पिकअप के ट्रेलर से टकराने पर बुधवार तड़के सात बच्चों सहित 11 लोगों की मौत गई जबकि 14 अन्य घायल हो गए। दौसा कलक्टर देवेन्द्र कुमार के अनुसार क्षेत्र में दौसा–मनोहरपुर हाईवे पर बुधवार तड़के एक पिकअप गाड़ी सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि हादसे में दस लोगों की मौके पर मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। उन्होंने बताया कि नौ घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है और तीन घायलों को दौसा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि उत्तरप्रदेश में फिरोजाबाद के रहने वाले ये लोग राजस्थान से अपने घर लौट रहे थे। उधर इस हादसे में गंभीर रुप से घायल एक महिला ने एसएमएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। सैंथल थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 25 लोग हादसे की चपेट में आये थे उनमें 11 लोगों की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि ये लोग राजस्थान में सालासर बालाजी एवं खाटूश्याम मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे कि यह हादसा हो गया।

हादसे पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने गहरा दुख जताया है। बागडे ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की। शर्मा ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि इसमें जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान देने एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की। बिरला ने हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि दौसा में हुए भीषण सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु और घायल होना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में बच्चों और महिलाओं की मृत्यु का समाचार जानकार मन व्यथित है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान की प्रार्थना की।

इसी तरह देवनानी, गहलोत, श्रीमती राजे, डोटासरा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डा सतीश पूनियां, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई नेताओं ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायल को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की।

दुर्घटना अत्यंत दुखदः राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत बहुत दुखद है और उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक पिकअप वैन के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से सात बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई तथा आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार हुए लोग खाटू श्याम जी और सालासर बालाजी मंदिर के दर्शन करने के बाद उत्तर प्रदेश के एटा स्थित अपने गांव लौट रहे थे। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दौसा, राजस्थान में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार बहुत ही दुखद है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

किरोड़ी लाल ने घायल की पूछी कुशलक्षेम

दौसा। राजस्थान के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा – मनोहरपुर रोड पर वापी के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में कई लोगों की मौत एवं घायल हो जाने पर गहरा दुख प्रकट किया है और उन्होंने दौसा अस्पताल में घायलों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी है। बुधवार तड़के हुए इस हादसे की सूचना मिलने पर डा मीणा अस्पताल पहुंचे और उन्होंने घायलों का कुशलक्षेम जाना तथा पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान डा मीणा ने खुद ने भी घायल मरीजों की स्वास्थ्य जांच की और चिकित्सकों को उचित निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में हम सभी शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घायलों का समुचित, त्वरित और निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाए।

इंदिरा नहर में डूबने से तीन छात्रों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर जिले के गजनेर थाना क्षेत्र में तीन स्कूली छात्रों की इंदिरा गांधी नहर में डूबने से मौत हो गयी है। थानाप्रभारी चंद्रजीत भाटी ने बुधवार को बताया कि बीकानेर के तीन स्कूली छात्र राम, करण और लक्की मंगलवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद एक मोटरसाइकिल से कोडमदेसर गांव स्थित भैरूजी मंदिर पहुंचे थे।

मंदिर में दर्शन करने के बाद शाम को तीनों बीकानेर लौट रहे थे। तभी रास्ते में इंदिरा गांधी नहर में नहाने के लिये तीनों रुक गए और नहर में उतर गये, लेकिन, वे गहराई में जाने से वे डूब गए।

उन्होंने बताया कि रात करीब आठ बजे एक राहगीर नहर के पास से गुजर रहा था, तभी उसे एक मोबाइल फोन की घंटी सुनाई दी।

वह नजदीक गया तो उसे नहर किनारे एक मोटरसाइकिल खड़ी मिली, साथ ही तीन जोड़ी जूते पड़े थे। राहगीर ने मोबाइल उठाकर बात की और कॉल करने वाले को बताया कि फोन जूते में पड़ा है, पास में दो और जोड़ी जूते हैं, मोटरसाइकिल लावारिस हालत में खड़ी है लेकिन आसपास कोई नहीं दिख रहा। भाटी ने बताया कि इस सूचना के बाद मृतकों के परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

स्थानीय ग्रामीणों और कुशल तैराकों की मदद से दो छात्रों के शव कुछ ही देर में निकाल लिए, जबकि तीसरे छात्र का शव रात करीब एक बजे बरामद हो सका। शव बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के शवगृह में रखवा दिये गये। शवों का बुधवार सुबह पोस्टमार्टम करने के बाद उनके परिजनों को सौंप दिये।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए सार्जेंट सुरेंद्र मोगा को वायुसेना प्रमुख ने श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने मंगलवार को झुंझुनू जिले का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए सार्जेंट सुरेंद्र मोगा को श्रद्धांजलि दी। झुंझुनू जिले के मेहरादासी गांव के निवासी सार्जेंट सुरेंद्र मोगा गत मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू कश्मीर के ऊधमपुर जिले में पाकिस्तान की गोलाबारी में शहीद हो गए थे। यह वायुसेना प्रमुख का जिले का पहला दौरा था।

उनका यह दौरा मंडावा के मेहरादासी गांव के निवासी दिवंगत सार्जेंट को श्रद्धांजलि देने के लिए था। दोपहर लगभग 12:00 बजे झुंझुनू हवाई पट्टी पर उतरने के बाद, वायुसेना प्रमुख सीधे गांव के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने शहीद की पत्नी सीमा देवी, मां नानू देवी, बेटी वर्तिका और बेटे दक्ष से मुलाकात की।

वायुसेना प्रमुख ने संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को आश्वासन दिया कि भारतीय वायुसेना सभी शहीदों के परिजनों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने शहीद सार्जेंट मोगा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। वायुसेना प्रमुख ने परिवार के सदस्यों से बातचीत के दौरान आश्वासन दिया कि सार्जेंट मोगा के नाम पर एक स्कूल का नाम रखा जाएगा और सीमा देवी को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

मतदाता सूची में 'विसंगतियों' को लेकर कांग्रेस ने मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई ने मतदाता सूची में कथित विसंगतियों के विरोध में बुधवार को जयपुर में पैदल मार्च निकाला। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय से शुरू हुआ यह मार्च शहीद स्मारक पर समाप्त हुआ और इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' जैसे नारे लगाए। डोटासरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'चुराए हुए वोटों' के जरिए सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा, मतदाता सूची से नाम काटे जा रहे हैं और भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए फर्जी वोट जोड़े जा रहे हैं। राहुल गांधी ने इसे साबित कर दिया है और यह संविधान पर हमला है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निर्वाचन आयोग पर मतदाता सूची में कथित विसंगतियों के संबंध में कार्रवाई करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। गहलोत ने कहा, मतदाता सूची में विसंगतियां हैं और निर्वाचन आयोग कोई जवाब नहीं दे रहा है। इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में स्थिति चिंताजनक है, जहां अनुमानित 60 लाख वोट बिना किसी स्पष्टीकरण के कथित तौर पर हटा दिए गए। गहलोत ने कहा, बिहार में 60 लाख लोगों को नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। किसी को नहीं पता कि किसके वोट हटाए गए और कितने नए वोट जोड़े गए। यह पहली बार है जब निर्वाचन आयोग ऐसी स्थिति पैदा कर रहा है। यह केवल स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है। पूरे देश को इस बारे में चिंतित करना चाहिए।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने निर्वाचन आयोग से संदेह दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया। पायलट ने कहा, आयोग (निर्वाचन आयोग) को आगे आकर बताना चाहिए कि विसंगतियां कहां हुई हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेताओं ने भी कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

वोट चोरी से बन रही है भाजपा की सरकार : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने वोट की चोरी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पूरे देशभर में भाजपा ने वोट चोरी के माध्यम से सत्ता हासिल की है। डोटासरा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाये गये वोट चोरी के मुद्दे को लेकर बुधवार को यहां निकाले गये प्रदेश कांग्रेस के पैदल मार्च में यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश में हो रहे वोट चोरी का खुलासा करने पर भाजपा द्वारा इस मुद्दे को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय जयपुर से शहीद स्मारक तक वोट चोर–गद्दी छोड़ पैदल मार्च निकाला गया।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा देश में बड़े पैमाने पर की गई वोट चोरी का खुलासा किया गया है और अब स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली में जो भाजपा की केन्द्र सरकार का गठन हुआ है वह पूरी तरह से फर्जी वोटों से बनी हुई सरकार है। इसीलिये आज देशभर में नारा लग रहा है कि वोट चोर–गद्दी छोड़। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में साबित हो गया है कि भाजपा की सरकार वोट की चोरी से ही बन रही हैं। डोटासरा ने कहा कि आज भाजपा द्वारा देश के लोकतंत्र पर दोहरा प्रहार किया जा रहा है, एक तरफ फर्जी वोट से भाजपा सत्ता हासिल कर रही है वहीं एसआईआर के नाम से विपक्ष के पक्ष में मतदान करने वाले लाखों लोगों के वोट वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे देशभर में भाजपा ने वोट चोरी के माध्यम से सत्ता हासिल की है जिसमें राजस्थान प्रदेश की सीटें भी शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट का डिजीटल डेटा मांग रही है लेकिन चुनाव आयोग वोटर लिस्ट का डिजीटल डेटा नहीं दे रहा है लेकिन कांग्रेस के नेता राजस्थान में हुई इस वोट चोरी का खुलासा करने के लिये प्रयास कर रहे हैं और आने वाले दिनों में साबित कर दिया जायेगा कि जो आरोप राहुल गांधी ने वोट चोरी के लगाये हैं वह सही है और वोट चोरी राजस्थान में भी हुई है।

उन्होंने भाजपा नेताओं पर तानाशाह होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन एवं जनता के वोट की चोरी करते हैं और विपक्ष को सत्ता से दूर रखने के लिये साम–दाम–दण्ड– भेद की नीति अपनाते हुये कार्य कर रहे हैं जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा यह अभियान प्रदेश के गांव–गांव, ढाणी–ढाणी तक चलाया जाकर आम जनता के बीच जागृति लाई जायेगी।

मप्र के कूनो से राजस्थान पहुंची मादा चीता, वापस लाई गई

श्योपुर/जयपुर। मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में एक मादा चीता 'ज्वाला' भटक कर करीब 100 किलोमीटर दूर पड़ोसी राज्य राजस्थान चली गई, जहां से उसे वापस उसके घर लाया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीता परियोजना के एक अधिकारी ने बताया कि 'ज्वाला' ने सोमवार को दिन के समय अंतरराज्यीय सीमा पार की और इस दौरान वह रिहायशी इलाकों से भी गुजरी। अधिकारी ने बताया कि चीते और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जानवर को वापस लाने का फैसला किया गया।

अधिकारी ने बताया, ''12 अगस्त को राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के करीरा कलां गांव से मादा चीता 'ज्वाला' को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बचाया गया। लोगों की भारी भीड़ के बीच चीते को बचाया गया।'' उन्होंने कहा कि चीते को बेहोश करने के बाद बचावकर्मियों ने उसे काबू में लिया। अधिकारी ने बताया कि चीते ने एक बकरी का शिकार किया था और बचाव दल ने उसे बाड़े में ले जाने के लिए चतुराई से बकरी का इस्तेमाल किया।

उन्होंने बताया कि सफल बचाव अभियान के बाद चीते को कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि केएनपी प्रबंधन ने अभियान में सहयोग के लिए राजस्थान पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यायालय ने आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए निर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने शहर की सड़कों और राजमार्गों पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए सोमवार को व्यापक अंतरिम निर्देश जारी किए। यह कदम उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली–एनसीआर के अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से स्थायी रूप से आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने का निर्देश देने के एक दिन बाद आया है। उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के सभी नगर निकायों को निर्देश दिया कि वे सार्वजनिक क्षेत्रों से आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाएं, तथा यह भी सुनिश्चित करें कि स दौरान उन्हें न्यूनतम शारीरिक क्षति पहुंचे।

न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर और न्यायमूर्ति रवि चिरानिया की खंडपीठ ने चेतावनी दी कि नगर निगम के कर्मचारियों के इस कार्य में बाधा डालने वाले व्यक्तियों या समूहों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खंडपीठ ने कहा कि इसमें संबंधित कानूनों के तहत प्राथमिकी दर्ज किया जाना भी शामिल है। अधिकारियों को इस तरह के हस्तक्षेप के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी छूट दी गई है।

एक विशिष्ट निर्देश में, जोधपुर नगर निगम को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और जिला अदालत परिसरों से आवारा पशुओं को तुरंत हटाने का निर्देश दिया गया। ये दोनों ही अध्यधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र हैं। साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्य राजमार्ग प्राधिकरण को नियमित रूप से राजमार्गों पर गश्त करने का आदेश भी दिया गया ताकि सड़कें वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए खुली रहें। पीठ ने आवारा पशुओं के संबंध में शिकायत दर्ज कराने के लिए नगर निकायों को टेलीफोन नंबर और ईमेल आईडी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि यदि नागरिक करुणा या धार्मिक विश्वास के कारण ऐसे जानवरों को खाना खिलाना या उनकी देखभाल करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा नगर पालिकाओं या निजी संस्थाओं द्वारा संचालित निर्दिष्ट कुत्ता आश्रय स्थलों, तालाबों या गौशालाओं में करना चाहिए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख आठ सितंबर तक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है, जिसमें आश्रयों की स्थिति और रखरखाव, पशुओं को हटाने के लिए जनशक्ति की उपलब्धता, चिकित्सकों और कर्मचारियों की संख्या आदि का उल्लेख किया गया हो।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक ने कार्मिकों को दिलाई नशा ना करने की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर फ्लैगशिप अभियान के तहत बुधवार को मुख्यालय स्थित सभी कार्मिकों को नशा ना करने की शपथ दिलाई।

मोदी ने अंबेडकर भवन के प्रांगण में शपथ दिलाते हुए कहा कि नशा, चाहे शराब का हो, तंबाकू का या किसी अन्य मादक पदार्थ का, यह हमारे स्वास्थ्य, परिवार और भविष्यतीनों को बर्बाद करता है। यह एक धीमा ज़हर है, जो हमारी सोचने–समझने की शक्ति को कम करता है और जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि नशे से मिलने वाली थोड़ी–सी खुशी, जीवन भर का दुख दे सकती है। इसलिए, हमें खुद को और अपने आसपास के लोगों को इस बारे में जागरूक करना होगा।

इस अवसर पर आयुक्त विशेष योग्यजन एवं अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीना, वित्तीय सलाहकार श्रीमती अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक हरिसिंह मीना, श्रीमती रीना शर्मा, सुंडाराम मीना, अशोक जांगिड़ सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण एवं कार्मिक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर 1 से 31 अगस्त, 2025 तक मंत्रालय द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष में फ्लैगशिप अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत भारत सरकार द्वारा भौतिक और ऑनलाइन माध्यम से 3 करोड़ लोगों तक पहुँच बनाना है। इसी कड़ी में प्रदेश भर में भी जिला स्तर पर छात्रों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों और आम जनता की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए शैक्षणिक संस्थानों, हॉटस्पॉट क्षेत्रों, प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर ऑनलाइन प्रतिज्ञा का आयोजन किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : गायत्री राठौड़

जयपुर। राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर जोरः राठौड़ ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत बन रहे नए चिकित्सा संस्थानों और लैब के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर अभी तक भूमि आवंटित नहीं हुई है, वहाँ जिला कलेक्टरों के समन्वय से यह कार्य जल्द पूरा किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की बात कही।

एम्बुलेंस सेवाओं और मानव संसाधन की समीक्षाः बैठक में एम्बुलेंस सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया। प्रमुख शासन सचिव ने 108 एम्बुलेंस, जननी एक्सप्रेस और ममता एक्सप्रेस के नियमित निरीक्षण और उनके सुचारू संचालन के लिए रूटचार्ट बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की बात कही। मानव संसाधन के विषय पर उन्होंने कहा कि छद्म के तहत रिक्त पदों को जल्द भरा जाए और उपलब्ध स्वास्थ्यकर्मियों का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के लिए मथुरा तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान और सभी प्रमुख मंदिरों में 16 अगस्त मध्यरात्रि को जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां और मंदिरों की आकर्षक ढंग से साज सज्जा की जा रही है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है।

कटरा केशवदेव स्थित श्री कृष्ण जन्मस्थान परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां भागवत भवन में भगवान की दिव्य प्राकट्य लीला सम्पन्न होगी।

श्री कृष्ण जन्मभूमि न्यास के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि भगवान कृष्ण को चांदी से सुसज्जित गर्भगृह में विराजमान किया जाएगा, जिसे 'सिंदूर' पुष्प महल की तरह सजाया गया है। उन्होंने बताया कि ठाकुरजी की चल विग्रह को 'रजत-सूप' में विराजमान कर अभिषेक स्थल तक ले जाया जाएगा। परंपरा के अनुसार, भगवान का प्राकट्य भी 'रजत-कमल' पुष्प में होगा और पहला स्नान सोने की परत चढ़ी चांदी की कामधेनु गाय की मूर्ति के जरिए किया जाएगा। इस अवसर पर भक्तजन ठाकुरजी के जन्माभिषेक दर्शन के लिए मंदिर परिसर में सुबह साढ़े पांच बजे से रात्रि डेढ़ बजे तक प्रवेश पा सकेंगे।

जन्मोत्सव से एक दिन पूर्व शुक्रवार शाम छह बजे भगवान कृष्ण की भव्य पोशाक का एक विशेष ''अर्पण और दर्शन'' समारोह आयोजित किया जाएगा। जन्माष्टमी के अवसर पर जन्मस्थान परिसर में श्री केशवदेव, श्रीयोगमाया, गर्भगृह, श्री राधाकृष्ण युगल सरकार मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

शर्मा ने बताया कि इस वर्ष का 'सिंदूर बंगला' विषय भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' से प्रेरित है, जिसे उन्होंने आध्यात्मिक संकल्प, राष्ट्रहित, सैन्य वीरता और रणनीतिक कौशल का एक पवित्र संगम बताया। उन्होंने कहा कि विजय और सुरक्षा के प्रतीक भगवान कृष्ण के इस अनूठे रूप को देखकर भक्तों को गर्व और आध्यात्मिक आनंद की गहरी अनुभूति होगी।

शर्मा ने बताया कि जन्माभिषेक का मुख्य कार्यक्रम शनिवार रात्रि 11 बजे श्री गणेश, नवग्रह आदि पूजन से प्रारम्भ होगा जो रात 11 बजकर 55 मिनट तक सहस्त्रार्चन (फूलों और तुलसी के पत्तों का 1,000 बार अर्पण) के साथ जारी रहेगा। इसके उपरांत 11 बजकर 59 मिनट पर प्राकट्य दर्शन हेतु पट बंद कर दिए जाएंगे और मध्य रात्रि 12 बजे से 12 बजकर 10 मिनट तक प्राकट्य दर्शन के मध्य आरती सम्पन्न होगी। इसके बाद 12 बजकर 10 मिनट से 12 बजकर 25 मिनट तक पयोधर महाभिषेक व 12 बजकर 25 मिनट से 12 बजकर 40 मिनट तक रजत कमल पुष्प में विराजमान ठाकुर जी का जन्माभिषेक सम्पन्न होगा।

उन्होंने बताया कि 12 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट श्रृंगार आरती व अंत में एक बजकर 55 मिनट से दो बजे तक शयन आरती सम्पन्न होगी।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि मंदिर परिसर को सुंदर सजावट और रोशनी से सजाया जा रहा है।

कंस के कारागार के रूप में प्रसिद्ध गर्भगृह को 221 किग्रा चांदी का उपयोग करते हुए विशिष्ट स्वरूप में निखारा गया है।

चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में 'मृत घोषित लोगों' से राहुल ने की मुलाकात

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात की है जिनका नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित तौर पर इस आधार पर मतदाता सूची से हटा दिया गया कि उनकी मौत हो चुकी है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर से संबंध रखने वाले कुछ लोगों ने कांग्रेस नेता से मुलाकात की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुलाकात का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए पोस्ट किया, जीवन में बहुत दिलचस्प अनुभव हुए हैं, लेकिन कभी 'मृत लोगों' के साथ चाय पीने का मौका नहीं मिला था। इस अनोखे अनुभव के लिए, धन्यवाद चुनाव आयोग।

उन्होंने आरोप लगाया चुनाव आयोग सूचना नहीं देना चाहता है क्योंकि अगर सूचना दे देगा तो उसका पूरा 'गेम' खत्म हो जाएगा।

इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता संजय यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आयोग को बताना चाहिए कि जिन 36 लाख मतदाताओं के स्थानांतरित होने की बात की गई है, वो कौन हैं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में वोट 'चोरी' के लिए भाजपा के साथ 'मिलीभगत' की : तेजस्वी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को निर्वाचन आयोग पर ''वोट चोरी'' करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ ''मिलीभगत'' का आरोप लगाया। बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा नेताओं को दो मतदाता पहचान पत्र हासिल करने में मदद कर रहा है और दोहराया कि अगर मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को ठीक नहीं किया गया तो राजद बिहार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार कर सकता है।

भाजपा ने इन आरोपों को ''गलत और भ्रामक'' बताया है। यादव ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया, यह सच है कि ईसी आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में वोट चोरी के लिए भाजपा के साथ सांठगांठ कर रहा है। वास्तव में, विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआती प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग श्रारा प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची को वोट की 'डकैती' कहा जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग राज्य में भाजपा नेताओं को दो मतदाता पहचान पत्र हासिल करने में मदद कर रहा है।

राजद नेता ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ 'वोट अधिकार यात्रा' में शामिल होगी और मतदाताओं से मिलेगी। यादव ने कहा, यात्रा के समापन के बाद हम विचार करेंगे कि विधानसभा चुनाव में भाग लेना है या नहीं। मैं इसे बराबर दोहरा रहा हूं। अगर निर्वाचन आयोग उसी तरह से काम करता रहेगा जैसे वह वर्तमान में कर रहा है है तो हमें चुनावों का बहिष्कार करने के बारे में सोचना ही होगा।

ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने 'एमएलए एलएडी वेब पोर्टल' की शुरुआत की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को 'एमएलए एलएडी वेब पोर्टल' की शुरुआत की। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल और समय-कुशल बनाना है। यहां मंत्रिमंडल की बैठक से पहले माझी ने सीएम-एसए (मुख्यमंत्री विशेष सहायता) योजना के लिए संशोधित दिशा-निर्देश भी जारी किए। ये नए दिशानिर्देश प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल बनाएंगे और लोगों के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं को त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से लागू करने में मदद करेंगे। इन नियमों में परियोजनाओं को स्वीकार करने और अस्वीकार करने के प्रावधान भी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी परियोजना की सिफारिश से लेकर अनुमोदन प्रक्रिया पूरी होने तक की समयावधि 30 दिन निर्धारित की गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि 'एमएलए एलएडी (स्थानीय क्षेत्र विकास) वेब पोर्टल' में परियोजना सिफारिशें, विश्लेषण, योजनाओं की तैयारी और लागत अनुमान, अनुमोदन, कार्य आदेश, पर्यवेक्षण, निरीक्षण, व्यय और कार्य निष्पादन विधायकों श्रारा समय पर किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के लोग इस पोर्टल के जरिये अपने विधायकों श्रारा अनुशंसित परियोजनाओं का विवरण भी जान सकते हैं।

सोनिया गांधी भारतीय नागरिकता लेने से पहले ही मतदाता बन गईं : भाजपा का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष श्रारा सरकार और निर्वाचन आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों के बीच भाजपा ने अपना जवाबी हमला तेज करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भारतीय नागरिक बनने से पहले ही मतदाता के रूप में पंजीकृत हो गई थीं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर कहा, भारत की मतदाता सूची के साथ सोनिया गांधी का रिश्ता चुनावी कानूनों के घोर उल्लंघन से भरा पड़ा है। शायद यही कारण है कि राहुल गांधी अयोग्य और अवैध मतदाताओं को नियमित करने के पक्ष में हैं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आधिकारिक निवास की मतदाता सूची की एक प्रति पोस्ट की, जिसमें दावा किया गया कि उनका (सोनिया गांधी) नाम मतदाता सूची में संशोधन के दौरान जोड़ा गया था और एक जनवरी, 1980 को अर्हक तिथि माना गया था।

मालवीय ने दावा किया, उनका नाम पहली बार 1980 में मतदाता सूची में आया था - भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले और उस समय तक उनके पास इतालवी नागरिकता थी। उन्होंने कहा कि उस समय तक उस पते पर पंजीकृत मतदाताओं में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी शामिल थे तथा संशोधन के दौरान सोनिया गांधी का नाम जोड़ा गया।

मालवीय ने कहा, यह प्रविष्टि कानून का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके अनुसार मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए किसी व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है। 1982 में विरोध के बाद उनका नाम सूची से हटा दिया गया था - जो 1983 में पुनः सामने आया।

उन्होंने कहा, यहां तक कि उनकी (नाम) बहाली ने भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। उस वर्ष मतदाता सूची के नए संशोधन में, सोनिया गांधी का नाम मतदान केंद्र 140 के क्रम संख्या 236 पर दर्ज था। पंजीकरण की अर्हता तिथि एक जनवरी, 1983 थी - जबकि उन्हें भारतीय नागरिकता 30 अप्रैल, 1983 को ही प्रदान की गई।

मालवीय ने दावा किया कि नागरिकता की बुनियादी आवश्यकता को पूरा किए बिना उनका नाम दो बार मतदाता सूची में दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, हम यह भी नहीं पूछ रहे हैं कि राजीव गांधी से शादी करने के बाद उन्हें भारतीय नागरिकता स्वीकार करने में 15 साल क्यों लग गए। अगर यह चुनावी भ्रष्टाचार नहीं है, तो और क्या है?

बंगाल की तृणमूल सरकार सिंगूर में आलू किसानों की 'आर्थिक हत्या' कर रही : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को राज्य सरकार पर सिंगूर और आसपास के जिलों में आलू किसानों की 'आर्थिक हत्या' करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसी के साथ भारतीय जनता किसान मोर्चा श्रारा आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का आह्वान किया।

अधिकारी ने सिंगूर के रतनपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 85 प्रतिशत से अधिक निवासी कृषि पर निर्भर हैं और आलू उनकी मुख्य नकदी फसल है। भाजपा नेता ने दावा किया कि राज्य सरकार फरवरी तक 15 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 2.2 करोड़ बोरी आलू खरीदने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने सरकार से तुरंत अपने वादे को पूरा करने की मांग की। अधिकारी ने आरोप लगाया, आलू खरीद बंद होने से पहले केवल कुछ हजार बोरी आलू की ही खरीद की गई।

बिहार सरकार ने जेपी सेनानियों की पेंशन दोगुनी की

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने बुधवार को 'जेपी सेनानियों' की पेंशन राशि में दोगुनी वृद्धि की घोषणा की। ये राजनीतिक कार्यकर्ता आपातकाल के दौरान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का समर्थन करने के लिए जेल गए थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंज़ूरी दी गई। नीतीश कुमार स्वयं आपातकाल की घोषणा से एक साल पहले 1974 में शुरू हुए 'जेपी आंदोलन' में एक प्रमुख भागीदार थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, छह महीने से ज़्यादा जेल में रहने वाले 'जेपी सेनानियों' की पेंशन 15,000 रुपए से बढ़ाकर 30,000 रुपए प्रति माह कर दी गई है और कम अवधि की जेल की सज़ा काटने वालों की पेंशन 7,500 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रु. कर दी गई है।

खेल विधेयक छह महीने में लागू कर दिया जाएगा : मनसुख मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को बताया कि संसद में सुचारू रूप से पारित होने के बाद ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक अगले छह महीने में लागू कर दिया जाएगा और प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें नियमों का मसौदा तैयार करना और बुनियादी ढांचे की पहचान करना शामिल है।

संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में मांडविया ने विधेयक के उस प्रावधान को 'मानक सुरक्षा' के रूप में उचित ठहराया जो सरकार को असाधारण परिस्थितियों में भारतीय टीमों और व्यक्तिगत खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर 'उचित प्रतिबंध लगाने' का विवेकाधीन अधिकार देता है। मांडविया ने अपने आवास पर विशेष बातचीत में पीटीआई से कहा, यह विधेयक जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। अगले छह महीनों के भीतर शत प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। इस विधेयक के पारित होने से भारत खेल कानून लागू करने वाला 21वां देश बन जाएगा। इसके सबसे अहम प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) की स्थापना की जरूरत होगी जो राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता प्रदान करेगा और विवादों के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी) तथा एनएसएफ चुनावों की देखरेख के लिए एक राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) का गठन किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, पदों को बनाने के लिए और अन्य प्रशासनिक अनुमोदन के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तथा व्यय विभाग की स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दोनों संस्थान (एनएसबी और एनएसटी) यथाशीघ्र वैधानिक और प्रक्रियात्मक जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह से संचालित हो जाएं। उन्होंने यह भी दोहराया कि यह विधेयक 'स्वतंत्रता के बाद से खेलों में सबसे बड़ा सुधार' है।

इस विधेयक का एनएसएफ और खिलाड़ियों दोनों ने व्यापक समर्थन दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ पहले इसे लेकर संशय में था लेकिन उसने भी खेल मंत्री के साथ गहन चर्चा के बाद इसका समर्थन किया है। विधेयक के पारित होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी पर अंतिम फैसला सरकार का होगा जिसकी अघोषित सहमति औपचारिक रूप ले चुकी है। यह मुद्दा अक्सर तब उठता है जब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनाव होता है जैसा इस साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद से देखने को मिला है। मांडविया ने कहा कि विधेयक में सरकार के विवेकाधिकार को किसी विशेष देश को ध्यान में रखकर संहिताबद्ध नहीं किया गया है। मांडविया ने कहा, सरकार को अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रोकने का अधिकार देने वाला प्रावधान वैश्विक स्तर पर खेल कानूनों में देखा जाने वाला एक मानक सुरक्षा उपाय है जिसका उपयोग असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है। उन्होंने कहा, इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों, राजनयिक बहिष्कारों और वैश्विक आपात स्थितियां शामिल होती हैं जो किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं है।

ओडिशा से तस्करी कर आदिवासी लड़की को मप्र में बेचा गया: पुलिस

जाजपुर/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले की 17 वर्षीय आदिवासी लड़की को कथित तौर पर तस्करी कर मध्य प्रदेश लाकर बेचने और उसकी शादी खरीददार से कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना करीब एक पखवाड़े पहले की है, लेकिन इसका खुलासा तब हुआ जब सुकिंदा क्रोमाइट वैली में रहने वाले पीड़िता के परिवार ने मंगलवार रात को कालियापानी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के परिवार ने आरोप लगाया कि लड़की के एक सहेली ने उसे मध्य प्रदेश में तीर्थयात्रा व दर्शनीय स्थल दिखाने का प्रलोभन दिया था। प्राथमिकी के मुताबिक 27 जुलाई को आरोपी अपनी बड़ी बहन के साथ नाबालिग को तीर्थयात्रा और दर्शनीय स्थल दिखाने के बहाने मध्य प्रदेश ले गई, लेकिन बाद में उसे एक ऐसे व्यक्ति को बेच दिया जो उससे शादी करना चाहता था। परिवार श्रारा दी शिकायत के अनुसार मध्य प्रदेश पहुंचने के अगले दिन पीड़िता ने अपने माता-पिता को फोन पर बताया कि वह ठीक है।

82 प्रतिशत मामलों में अनुकूल या तटस्थ व्यवहार दिखाते हैं आवारा कुत्ते : शोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इंसानों और सड़क पर रहने वाले कुत्तों के बीच ज्यादातर आमने-सामने की स्थितियां शांतिपूर्ण रहती हैं। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के एक अध्ययन की मानें तो 82 प्रतिशत मामलों में कुत्तों का व्यवहार या तो मिलनसार था या तटस्थ।

यह शोध सड़क पर रहने वाले कुत्तों और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संबंधों को समझने के प्रयास का हिस्सा है। प्रोफेसर कृतिका श्रीनिवासन के नेतृत्व में किए गए इस शोध से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि आवारा कुत्तों से मानव का सामना होने की स्थिति में केवल दो प्रतिशत मामले ऐसे होते हैं, जब कुत्ते उन पर भौंकते हों, पीछा करते हों या काट लेते हों। यह निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने कुत्तों के काटने और रेबीज के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें आश्रय गृहों में रखने का सोमवार को आदेश दिया था। भारत में पिछले दो दशकों में रेबीज के मामलों में लगभग 75 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2005 के 274 से घटकर 2022 में 34 रह गई है, जिसका मुख्य कारण बड़े पैमाने पर कुत्तों का टीकाकरण है।

देश के 15 राज्यों में 2022-23 में किए गए एक सर्वेक्षण में, कुत्तों के काटने की घटना प्रति 1,000 जनसंख्या पर 4.7 दर्ज की गई, जो ब्रिटेन के चेशायर में दर्ज की गई 18.7 प्रति 1,000 की दर से कम है।

रोहित आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

आईपीएल 2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलने वाले 38 साल के रोहित ने एक स्थान के फायदे से पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ा जो कैरेबिया में वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में संपन्न एकदिवसीय श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गए। रोहित के 756 अंक हैं और वह भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल (784) से पीछे हैं जो पहले नंबर पर बने हुए हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली 736 अंक के साथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं। रोहित और कोहली दोनों ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी लेकिन उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा व्यक्त की है।

दोनों स्टार बल्लेबाज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेल सकते हैं और उन्होंने लय में वापसी के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। मौजूदा रैंकिंग में भारत के पांच बल्लेबाज शीर्ष 15 में हैं जिसमें श्रेयस अय्यर आठवें और लोकेश राहुल 15वें स्थान पर हैं।

इस बीच नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को फायदा हुआ है। टिम डेविड ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शुरुआती दो मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और दाएं हाथ का यह आक्रामक बल्लेबाज छह स्थान के सुधार से 10वें पायदान पर है। डेविड के टीम के साथी कैमरन ग्रीन भी छह स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर हैं। डार्विन में दूसरे टी20 में 125 रन की रिकॉर्ड शतकीय पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस लंबी छलांग लगाते हुए 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पिछली रैंकिंग में वह शीर्ष 100 से बाहर थे। उनकी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला में 1-1 से बराबरी हासिल की। बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स (12 स्थान के फायदे से 27वें स्थान पर) जबकि गेंदबाजों की सूची में जोश हेजलवुड (तीन स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर), कागिसो रबादा (15 स्थान के फायदे से 44वें स्थान पर) और लुंगी एनगिडी (14 स्थान के फायदे से 50वें स्थान पर) को फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 2-0 के क्लीनस्वीप के दौरान अच्छे प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी 9.12 की औसत से 16 विकेट चटकाकर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। वह एक स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

हेनरी ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को पीछे छोड़ा। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दूसरे नंबर पर मौजूद रबादा ही उनसे आगे हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र (15 स्थान के फायदे से 23वें पायदान पर), डेवोन कॉनवे (सात स्थान के फायदे से 37वें स्थान पर) और हेनरी निकोल्स (छह स्थान के फायदे से 47वें स्थान पर) को बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं है: ग्रीनबर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग का मानना है कि सभी देशों को टेस्ट खेलने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे वित्तीय रूप से कुछ कमजोर बोर्ड पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालांकि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या नहीं है लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद है'।

ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सत्र में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की मेजबानी की थी और अब वह इस साल के अंत में एशेज ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड का स्वागत करने के लिए तैयार है।

इस महीने के शुरू में भारत और इंग्लैंड ने पांच टेस्ट मैचों की प्रतिस्पर्धी श्रृंखला खत्म की जबकि ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में एकतरफा जीत दर्ज की। इन नतीजों ने लाल गेंद क्रिकेट की वैश्विक संरचना पर फिर से बहस छेड़ दी है।

ग्रीनबर्ग ने पत्रकारों से कहा, मुझे नहीं लगता कि टेस्ट खेलने वाले देशों की कोई निश्चित संख्या है। लेकिन मुझे लगता है कि भविष्य में टेस्ट क्रिकेट की कमी हमारे लिए नुकसानदायक नहीं बल्कि फायदेमंद होगी। उन्होंने कहा, मेरे कहने का मतलब है कि मुझे नहीं लगता कि विश्व क्रिकेट में हर किसी देश को टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा रखने की जरूरत है। इससे कोई परेशानी नहीं है। ग्रीनबर्ग ने कहा, बहुत से परंपरावादी शायद इसे पसंद नहीं करें। लेकिन अगर हम उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर करेंगे तो हम सचमुच इन देशों को दिवालिया बनाने की कोशिश कर रहे होंगे।

सुविचार

अंधकार को अंधकार से नहीं मिटाया जा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किसान हित की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए जिन शब्दों में किसानों के साथ एकजुटता जताई, उससे डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश मिल गया है कि भारत अपने कृषक समुदाय के हितों को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। आज अमेरिका जो तेवर दिखा रहा है, वे कितने दिन चलेंगे? भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। कोई भी कंपनी इतने बड़े बाजार की अनदेखी नहीं कर सकती। हमारे खेतों की उपज का बहुत बड़ा हिस्सा यहीं खरीद लिया जाता है। शिवराज सिंह चौहान ने सत्य कहा कि भारत की तुलना में आनुवंशिक रूप से संवर्धित और अन्य तकनीकों के उपयोग के कारण अमेरिका में प्रति हेक्टेयर उत्पादन लागत कम है। क्या हम ऐसी तकनीक विकसित नहीं कर सकते कि भारतीय किसान कम लागत में ज्यादा उपज ले सकें? चूंकि अमेरिकी किसानों के पास 10,000 से 15,000 हेक्टेयर कृषि जोत है, जबकि भारतीय किसानों के पास तीन एकड़ से भी कम है। ऐसे में हम इजराइली मॉडल अपनाकर उपज बढ़ा सकते हैं। इजराइल के पास जमीन की कमी है। उसे जो जमीन मिली, वह रेतीली, पथरीली और बंजर थी। इजराइली वैज्ञानिकों ने अपनी सूझबूझ से कमाल कर दिया। वहां इमारतों की छतों और दीवारों पर भी खेती होती है! बेशक इजराइल को कम जमीन मिली, लेकिन उसने वैज्ञानिक विधियों के जरिए उसे ही कई गुणा बढ़ा दिया। हमारे देश में कृषि योग्य जमीन खूब है। यहां करोड़ों इमारतें हैं। अगर खाली जगह का भरपूर इस्तेमाल किया जाए तो उपज में कई गुणा बढ़ोतरी हो सकती है।

अमेरिका भारतीय बाजारों में सोयाबीन, मक्का, गेहूं और अन्य उत्पादों को बेचना चाहता है। वह अपने डेयरी उत्पादों के लिए यहां संभावनाएं तलाश रहा है। इसका सीधा मतलब है- भारतीय किसानों के हितों पर चोट। शिवराज सिंह चौहान ने यह कहकर किसानों के हितों की रक्षा करने का भरोसा दिलाया है कि 'अगर यह यहां आसानी से पहुंचता है, तो इससे स्थानीय कीमतों में और गिरावट आएगी। फिर हमारे किसान कहां जाएंगे? इसलिए, यह निर्णय लिया गया कि चाहे कुछ भी हो जाए, किसानों के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।' सरकार को चाहिए कि वह किसानों को उद्यमिता की ओर लेकर जाए। आलू, मक्का, मूंगफली जैसी फसलें बाजार में जिन दामों पर बिकती हैं, उनसे चार-पांच गुणा ज्यादा कीमत उन चीजों से मिलती है, जो बाद में बनाई जाती हैं। अगर कोई किसान आलू के चिप्स बनाकर बेचेगा तो उसकी आमदनी बढ़ेगी। इसी तरह, नींबू के बजाय उसका अचार बनाकर बेचने वाला किसान ज्यादा मुनाफा कमाएगा। भारत में ज्यादातर किसानों के पास ऐसा कोई प्रशिक्षण नहीं है। अगर सरकार उनके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था कर दे और बाजार उपलब्ध करवा दे तो बाकी काम किसान खुद कर लेंगे। लोगों को इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे विदेशी कंपनियों की जगह किसानों के हितों को प्राथमिकता दें। हानिकारक विदेशी शीतल पेय के बजाय गन्ने का रस, नींबू का शर्बत, लस्सी आदि को बढ़ावा दें। ब्याह-शादियों और अन्य कार्यक्रमों में भारतीय पेय को शान से पेश कीजिए। इनका पैसा किसी अमेरिकी धनपति की जेब में नहीं, बल्कि हमारे किसानों के घरों में जाएगा। इससे देश समृद्ध होगा। हम हर साल दीपावली से पहले चीनी झालरों का विरोध करते हुए 'स्वदेशी' की मुहिम छेड़ते हैं। दीपावली के बाद सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। हमें 'स्वदेशी' को एक दिन, एक हफ्ते या एक महीने नहीं, बल्कि हमेशा बढ़ावा देना होगा।

ट्वीटर टॉक

मारवाड़ के शौर्य और त्याग के अमर प्रतीक महान योद्धा वीर दुर्गा दास राठौड़ जी मेरे लिए मातृभूमि की सेवा का आदर्श हैं। उनकी जयंती मेरे लिए अतिविशेष दिवस है। वीर दुर्गादास जी का जीवन चरित मुझे समर्पित और निस्वार्थ जनसेवक बने रहने की प्रेरणा प्रदान करता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

दौसा में भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है। जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे यूपी के एटा निवासियों की दौसा में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मृत्यु की ख़बर अत्यंत दु:खद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। हृदय विदारक हादसे में कई बच्चों का काल कवलित होना बेहद पीड़ादायक है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

भरोसे से कामयाबी

लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ जो भी रचना किसी पत्र-पत्रिका को छपने के लिए भेजते, वह कुछ दिनों बाद अस्वीकृत होकर वापस लौट आती। लंबे समय तक उनकी रचनाओं की अस्वीकृति का यह सिलसिला चलता रहा। किन्तु दृढ़ निश्चयी शॉ को विश्वास था कि एक न एक दिन उनके लेखन की सराहना अवश्य होगी। उन्होंने हार नहीं मानी और अस्वीकृत होकर लौटी रचनाओं को एक बोरे में इकट्ठा करते चले गए। फिर एक दिन ऐसा आया जब उनकी एक रचना एक प्रसिद्ध पत्रिका में प्रकाशित हुई और पाठकों द्वारा खूब सराही गई। उस पत्रिका के संपादक ने जब शॉ से और रचनाएं भेजने का आग्रह किया तो उन्होंने कोई नई रचना लिखने के बजाय, बोरे में रखी हुई पुरानी अस्वीकृत रचनाएं एक-एक करके भेजनी शुरू कर दीं। रचनाएं छपती गईं और शॉ की लोकप्रियता बढ़ती गई। देखते ही देखते अन्य कई पत्रिकाओं के संपादक भी उनसे रचनाएं मंगवाने लगे। शॉ उन्हीं पुरानी अस्वीकृत रचनाओं को निकाल-निकालकर उन्हें भेजते रहे। अंततः एक दिन वह बोरा, जिसमें कभी अस्वीकृत रचनाएं भरी रहती थीं, पूरी तरह खाली हो गया और जॉर्ज बर्नार्ड शॉ एक महान लेखक के रूप में प्रसिद्ध हो गए।

सामयिक

मौलिक कर्तव्यों की अनदेखी क्यों?

डॉ रामेश्वर मिश्र

आज देश आजादी का जश्न मना रहा है, इस वर्ष आजादी के 78 वर्ष पूर्ण हो गए। इन 78 वर्षों में देश ने कई चुनौतियों एवं विदेशी संघर्ष का सामना किया है और हमारे देशवासियों द्वारा उन समस्याओं का डटकर मुकाबला किया है। इस बार स्वतंत्रता दिवस का पर्व अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर लगाए गए टैरिफ की बढ़ती समस्याओं के बीच मनाया जायेगा। प्रधानमंत्री जी द्वारा कुछ दिनों पूर्व स्वदेशी उत्पादों की तरफ भारतवासियों के ध्यान को केंद्रित करने का प्रयास किया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश भक्ति के गीतों से गलियां एवं सड़कें गुलजार रहती है। स्वतंत्रता दिवस का दिन बीतते ही हम देश भक्ति के गीतों को भूल जाते हैं और अपने दिन प्रतिदिन की दिनचर्या में खो जाते है और हम अपने आप की चिंता तथा अपने विकास को ध्यान देने लगते है जिससे देशभक्ति का जज्बा हमारे द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। हम अपनी दिनचर्या को चकाचौंध और भव्यता पूर्ण बनाने के लिए विदेशी सामान और विदेशी व्यापार की दुनिया में खो जाते हैं तथा स्वदेशी उत्पाद हमारे लिए स्वतंत्रता आंदोलन के हथियार बनकर रह जाते है, अंततः केवल एक उद्देश्य हमारे सामने बचता है कि अपनी दिनचर्या को किसी भी प्रकार से विलासिता पूर्ण एवं आडम्बर युक्त बनाया जाय जिससे हमारे घरों में फुटवियर से लेकर सौंदर्य प्रसाधन एवं इलेक्ट्रॉनिक सामानों के उपयोग से भरे मिलते है। स्वतंत्रता प्रेमियों के द्वारा आजादी मिलने के बाद हमारे अधिकारों को सुरक्षित और स्वतंत्रता पूर्वक व्यतीत करने के लिए हमें संविधान द्वारा मौलिक अधिकार प्रदान किये गये है जिसके माध्यम से हम अपने उद्देश्यों को पूर्ति के लिए मन चाहे भाषणों को बड़े-बड़े मंचों से बोलते हैं। सरकार द्वारा कुछ रोक लगाने पर हम संविधान की दुहाई देते हैं और हमारे द्वारा लोकतंत्र खतरे में है ऐसे शब्द आम बन जाते हैं, पर कभी भी हमारे द्वारा संविधान में उल्लेखित मौलिक कर्तव्यों की ओर हमारा ध्यान नहीं जाता है। हमारे द्वारा कभी भी मौलिक कर्तव्य की बात नहीं की जाती है, जब हम राष्ट्र के संविधान का पक्ष लेकर सरकार को मौलिक अधिकारों के हनन के लिए कोसते हैं तब हम संविधान में दिए गए मौलिक कर्तव्य को नजरअंदाज कर देते हैं। संविधान में स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश को स्वीकार करते हुए सन 1976 में 42वें संविधान संशोधन के द्वारा संविधान के भाग 4- में मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया था।

हमारे देश में मूल रूप से मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी लेकिन सन 2002 में 86वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से एक और मौलिक कर्तव्य को जोड़ा गया जिसे हमारे मौलिक कर्तव्यों की संख्या इस समय 11 हो गई है। हमारे राष्ट्र निर्माण की दिशा को स्वरुप प्रदान करने में मौलिक कर्तव्य के पालन से शक्ति मिलती है। मौलिक कर्तव्य का पालन करके हम राष्ट्र के विकास में सहायक बन सकते हैं। हमारे संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक कर्तव्य जिसमें संविधान के आदर्शों का पालन, राष्ट्रीय संस्थानों, राष्ट्रीय गान, आदर्श भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता की रक्षा, राष्ट्र की सेवा के लिए तत्पर रहना, धर्म, भाषा, प्रदेश और वर्ग के आधार पर विभेद से बचे, पर्यावरण संवर्धन के लिए वन, झील, नदी, वन्य जीवों की रक्षा करें, सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें, उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें और 6 आयु वर्ष से 14 आयु वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अवसर प्रदान करें। यह हमारे महत्वपूर्ण मौलिक कर्तव्य है, आज प्रश्न उठता है कि क्या हमारे द्वारा अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन किया जाता है। राष्ट्र की प्रगति में क्या हमारे वैचारिक भाषण बाधक है। हम अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय एकता एवं अखंडताओं को प्रभावित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, कभी भाषा के नाम पर तो कभी जाति एवं धर्म आधारित बयानों से राष्ट्र की संप्रभुता एवं अखंडता को आहत करते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा से संबंधित अभियानों पर प्रश्न चिन्ह लगाना क्या न्याय पूर्ण बर्ताव को दर्शाने वाला है। राष्ट्र के विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों में है सांप्रदायिक हिंसा द्वारा राष्ट्र की संपत्ति को गहरा आघात पहुंचाया जाता है। हिंसा की आड़ में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है, हिंसा द्वारा सन 2019 में रेलवे को 151 करोड़, सन 2020 में 904 करोड़, सन 2021 में 68 करोड़ एवं सन 2022 में 259. 44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था, यह हमारे राष्ट्र की गंभीर समस्याओं को चिन्हित करता है। हम लगातार स्वतंत्रता और आजादी के नाम पर राष्ट्र के सार्वभौमिकता, सम्प्रभुता, एकता और अखंडता को चुनौती देते हैं । हम अक्सर जाने अनजाने में राष्ट्र की संपत्ति के संरक्षण एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से बचते हैं, अक्सर देखा जाता है कि सार्वजनिक स्थानों की लाइट सुबह देर तक जलती रहती है, ट्रेन की बोगियों में भी अनायास ही पंखे चलते रहते है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्रतिदिन शून्य से लेकर 45 लीटर तक पानी बर्बाद किया जाता है जबकि पानी आने वाले दिनों में राष्ट्र के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बनकर उभरेगा। राष्ट्र की प्रगति को नजरअंदाज करते हुए हम पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचा रहे हैं अपने विकास के लिए चरमोत्कर्ष की भावना से पीड़ित मानव मन ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना अपने स्वार्थ सिद्धि का माध्यम बना लिया है।

सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि सन 2021 से सन 2023 के बीच 1488 वर्ग किलोमीटर में अवर्गीकृत वन को नुकसान हुआ है, भारत में 705 संरक्षित क्षेत्र में वनाग्नि की 4046 घटनाएं राष्ट्रीय उद्यानों में घटी, आंध्र प्रदेश में लाल चंदन की तस्करी एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या को उजागर करता है। भारत में मानव वन्य जीव संघर्ष से सन 2019 से सन 2024 के बीच काफी वृद्धि हुई है, इन वर्षों में राष्ट्र में हाथियों की 2727 मृत्यु हुई तथा 349 बाघों ने मानव के हमले में जान गवाई है। पर्यावरण को लेकर यह कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े हैं जो हमें चौंकाने वाले हैं। भारत की आजादी के 78 वे पर्व पर हम सब को संकल्पबद्ध होना चाहिए कि हम अपने अधिकार से पहले अपने मौलिक कर्तव्य को स्थान देगे। राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए हमेशा कार्य करेंगे, राष्ट्र की प्रगति में बाधक साम्प्रदायिक हिंसा के विरुद्ध हमेशा संघर्ष करेंगे, राष्ट्र के गौरव के लिए जाति, धर्म, भाषा से ऊपर उठकर कार्य करेंगे, यही हमारा राष्ट्र निर्माण का संकल्प होना चाहिए।

चिंतन

चिंतन, संकल्प और श्रम जीवन में सफलता के प्रकल्प

संजीव

मोबाइल : 90094 15415

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं। निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंश्र सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए श्र यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक

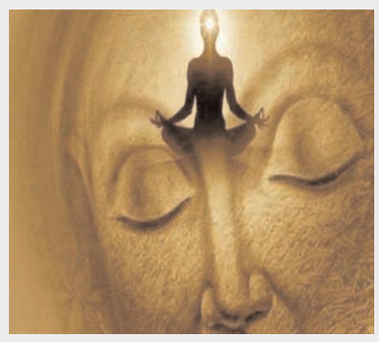

विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके।

वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है।

मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

नजरिया

आज़ादी के मायने स्वच्छंदता और मनमानी नहीं

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 9414441218

15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ था। लाखों देशवासियों ने कुर्बानियां देकर आजादी प्राप्त की थी तब जाकर यह हमें प्राप्त हुई है। 15 अगस्त 2025 को आजाद भारत 78 साल का हो जाएगा। हमारे-आपके बीच बहुत से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए आजादी का मतलब मनमानी और स्वच्छंदता है। कानून कायदे और स्थापित नियम तोड़ना हमारा शगल बन चुका है। चौराहों पर ट्रैफिक नियमों के पालन की बात हो चाहे बंद रेलवे क्रॉसिंग से झुककर निकलने की। ट्रेन निकलने का इंतजार करने के बजाय लोग बाइक और साइकिलों को झुकाकर बैरियर के नीचे निकलने में कोई संकोच नहीं करते हैं। सड़क पर दौड़ने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं है। जहां मर्जी हुई खड़ा कर दिया। राह चलते पीक थूकना आम बात है। कुछ खा रहे है तो उसे भी सड़क पर फेंकना अपनी शान समझते है। लड़की दिख गयी तो टिक्का टिप्पणी करने से नहीं चूकेंगे। अव्यवस्थाओं के लिए हम सिस्टम के सिर दोष मढ़ते-मढ़ते थक जाते हैं, लेकिन कभी खुद के गिरेबां में झांक कर देखने की जरूरत नहीं समझते। यह सोचने विचारने की बात है कि क्या इसी दिन के लिए देश आजाद हुआ था कि देशवासी मनमानी करें। हम अपने दिल पर हाथ रखकर मंथन करें क्या यही आजादी के मायने हैं।

क्या हाथ में सविधान की प्रति लहराकर संसद ठप्प करना आज़ादी है। हम इस बहुमूल्य आजादी का वास्तविक अर्थ भूलते जा रहे। गरीबी, शोषण, बीमारी और भेदभाव से मुक्ति की बातें भाषणों और कागजों में दफ़न हो रही है। इन बुनियादी समस्याओं को हल करने के स्थान पर हम आपसी मतभेदों में उलझ कर रह गए है। आज लोग आज़ादी के मनमाने अर्थ निकाल रहे है। कुछ लोग कहते है हमें मोदी से आज़ादी चाहिए तो कुछ कहते है भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वंशवाद से आज़ादी चाहिए।

आज़ादी के 78 साल पूरे होने के बाद हम यह कह सकते हैं युवा को रोजगार मिला या नहीं मगर हाथ में मोबाइल अवश्य आ गया है। देश की प्रगति और विकास का सही अर्थों में लेखा जोखा ले तो आज भी हम गरीबी, बेकारी, महंगाई और भ्रष्टाचार का राग अलाप रहे है। हम कहने को कह सकते है कि हमने सुई से जहाज तक का सफर पूरा कर लिया है। मगर पिछले पचास सालों पर नज़र डालें तो ज्ञात होगा आज भी हम उन्हीं मुद्दों के इर्द गिर्द अपना ताना बाना बुन रहे है जो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी के कांटे के रूप में चुभ रहे है। इंदिरा गाँधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था और आज भी हम गरीबी के खिलाफ संघर्ष में उलझे हुए है। हाँ, गरीबों को मुफ्त अनाज जरूर बांट रहे है। कहने का तात्पर्य है 50 सालों में इन्हीं मुद्दों के इर्द गिर्द हमारी आज़ादी घूम फिर रही है। युवाओं के लिए रोजगार की बाते गौण हो गई है। गरीब के लिए रोटी, कपड़ा और मकान की बात दोयम हो गई है। महिलाओं की स्वतंत्रता कागजों में दफन हो रही है। सरकारी नौकर के लिए आजादी का अर्थ जेब भरना है। देश और समाज का हर पक्ष अपनी अपनी बात पर ढ़ृढ़ता से कायम है। अपने कुर्ते को दूसरे के कुर्ते से अधिक उजला बताया जा रहा है। भ्रष्टाचार की विष बेल लगातार बढ़ती ही जा रही है। सहिष्णुता को कुश्ती का अखाडा बना लिया गया है। परस्पर समन्वय, प्रेम, भातृत्व और सचाई को दर किनार कर घृणा और असहिष्णुता हम पर हावी हो रही है। आजादी के दीवाने चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, तिलक, गाँधी, नेहरू, पटेल और लोहिया के सिद्धांतों और विचारों के अपने अपने हित में अर्थ निकाले जा रहे है।

आजादी के बाद कई दशकों तक सत्तासीन लोग सत्तासुख को अब तक नहीं भूल पाए है और राज करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान रहे है। वहीँ नए सत्तासुख पाने वाले देश को असली आजादी और लोकतंत्र का धर्म सिखा रहे है। साम्प्रदायिकता को लेकर देश दो फाड हो रहा है। सेकुलर शब्द की नयी नयी परिभाषाएँ गढ़ी जा रही है। दल बदलते ही कल के सेकुलर आज के सांप्रदायिक हो जाते है और सांप्रदायिक रातों रात सेकुलर बन जाते है। बलिहारी है भारत के लोकतंत्र की, इन सब के बावजूद गाँधी की दुहाई के साथ देश आगे बढ़ता जा रहा है। हमारे देश में आजादी के अर्थ समय के साथ बदलते रहे है। सबने अपने-अपने ढंग से आजादी का मतलब निकाला है। गरीब आदमी के लिए आजादी का अर्थ गरीबी से आजादी है। अशिक्षित व्यक्ति के लिए आजादी का अर्थ अशिक्षा से आजादी है। राजनीतिक दलों के लिए आजादी का मतलब सत्ता प्राप्ति है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कराबीनि अस्पताल, पीन्या में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। भारत सरकार गृह, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय एवं कराबी निगम मुख्यालय, नई दिल्ली के दिशा निर्देशानुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल, पीनिया में 13 अगस्त को एक दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अस्पताल में कार्यरत 16 चिकित्सकों और कर्मचारियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने प्रतिभागियों का राजभाषा संबंधी मार्गदर्शन किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मृदुला ए एम ने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है। सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में काम करना हम सबका संवैधानिक दायित्व है। यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम निर्धारित प्रतिशत में अपना काम हिंदी में करें। इन कार्यशालाओं के आयोजन का उद्देश्य ही यही है कि हिंदी में कार्य करने की हमारी जो झिझक है उसको दूर कर सकें। कार्यशाला के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उप निदेशक राजभाषा प्रभारी बैजनाथ मंडल ने कहा कि इस कार्यशाला के बाद आप अपना कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करके इस कार्यशाला के आयोजन को सार्थक बनाएं। हिंदी हमारी अपनी भाषा होने के साथ ही साथ सरल व सुगम भाषा है। समापन समारोह में चिकित्सा अधीक्षक एवं राजभाषा प्रभारी ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी की पुस्तकें एवं प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को काफी उपयोगी एवं रुचिकर बताया। उन्होंने आगामी माह होने वाले हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली हिंदी प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागिता करने की अपनी इच्छा जाहिर की। कार्यशाला में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों, प्रशासनिक शब्दों, नेमी टिप्पणियों का अभ्यास, पत्राचार तथा हिंदी रिपोर्ट भरने के बारे में भी मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी कैलाश चंद शर्मा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ट्रस्टवेल हॉस्पिटल्स में बुजुर्ग मरीज का दुर्लभ किडनी ट्रांसप्लांट हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के ट्रस्टवेल हॉस्पिटल्स में एक दुर्लभ और प्रेरणादायक घटनाक्रम में, एक सफल किडनी प्रत्यारोपण, अंगदान में उम्र और पात्रता को लेकर लोगों की धारणाओं को नया रूप दे रहा है। यह कहानी दो ज़िंदगियों के बीच घूमती है-एक 73 साल की उम्र में खत्म हुई, दूसरी 77 साल की उम्र में फिर से शुरू हुई। पिछले हफ़्ते, ट्रस्टवेल की मेडिकल टीम ने एक 73 वर्षीय दाता की किडनी का इस्तेमाल करके एक मृत दाता का गुर्दा प्रत्यारोपण किया, एक ऐसा आयु वर्ग जिसे प्रत्यारोपण समुदाय में आमतौर पर सीमांत या विस्तारित मानदंड माना जाता है। इस मामले को और भी उल्लेखनीय बनाने वाली बात है प्राप्तकर्ता की उम्र 77 वर्ष, कई सह-रुग्णताओं के साथ जी रहे हैं, और फिर भी इस जीवनरक्षक प्रक्रिया के लिए एक उम्मीदवार हैं।

ट्रस्टवेल हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ सलाहकार नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. अरविंद सी. ने कहा, यह प्रत्यारोपण सिर्फ़ चिकित्सीय सफलता से कहीं बढ़कर है-यह आशा का संदेश है। उन्होंने आगे

कहा, हम अक्सर वृद्ध दाताओं के अंगों के महत्व को कम आंकते हैं। लेकिन कड़ी जाँच और शल्यक्रिया के बाद की सावधानीपूर्वक देखभाल से, ये अंग प्राप्तकर्ता को, यहाँ तक कि उनके बुढ़ापे में भी, कई वर्षों तक गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान कर सकते हैं। प्राप्तकर्ता, एक 77 वर्षीय व्यक्ति, जिसे कई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याएँ थीं, पर ऑपरेशन के बाद के चरण में कड़ी निगरानी रखी गई। सर्जरी के एक हफ़्ते बाद, उन्हें स्थिर स्थिति में छुट्टी दे दी गई। उनकी प्रत्यारोपित किडनी अच्छी तरह काम कर रही है।

यह ऐतिहासिक मामला विस्तारित मानदंड दाताओं (ईसीडी) की अप्रयुक्त क्षमता को प्रदर्शित करता है। एक श्रेणी जिसे वैश्विक रूप से ऐसे दाताओं के रूप में परिभाषित किया गया है जो 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं और जिनमें कोई महत्वपूर्ण सह-रुग्णता नहीं है, या 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं और जिनमें कम से कम दो स्थितियां हैं जैसे उच्च रक्तचाप, मस्तिष्कवाहिकीय मृत्यु, या बढ़ा हुआ सीरम क्रिएटिनिन। हालाँकि ईसीडी अंगों के बारे में जन जागरूकता और नैदानिक स्वीकृति में चुनौतियाँ बनी हुई हैं, ट्रस्टवेल की सफलता की कहानी एक ऐसे जनसांख्यिकीय समूह पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करती है जिसे अक्सर दान संबंधी बातचीत में नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। इसमें शामिल परिवारों के लिए, यह कहानी व्यक्तिगत है; चिकित्सा समुदाय के लिए, यह एक मिसाल कायम करने वाली कहानी है।

शहबाज शरीफ की धमकियों का भारत पर कोई असर नहीं होगा : ओवैसी

हैदराबाद/भाषा

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ''धमकियों'' को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि इनका भारत पर कोई असर नहीं होगा। ओवैसी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत का पाकिस्तान को जवाब है। उन्होंने कहा, ''आप (शहबाज शरीफ) एक देश के प्रधानमंत्री हैं...आप ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसका हम पर कोई असर नहीं होगा। (भारत) सरकार ने सिंधु जल संधि को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। कोई बदलाव दिखाने के बजाय, आप धमकियां दे रहे हैं। धमकियों का भारत पर कोई असर नहीं होगा। बहुत हो गया।''

ओवैसी ने संधि पर शरीफ, पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और अन्य नेताओं की टिप्पणियों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के पानी की एक बूंद भी छीनने नहीं दी जाएगी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर हैदराबाद के सांसद ने आरोप लगाया कि कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

'सैयारा' के सितारे अहान पांडे और अनीत पड्डा ने आईएमडीबी का ब्रेकआउट स्टार पुरस्कार जीता

नई दिल्ली/भाषा

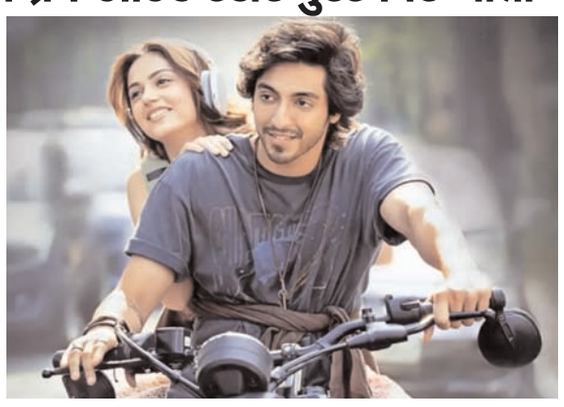

नवोदित अभिनेता अहान पांडे और अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' के लिए आईएमडीबी 'ब्रेकआउट स्टार स्टारमीटर' पुरस्कार जीता है। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में पांडे ने संगीतकार कृष कपूर की भूमिका निभाई है, जबकि पड्डा ने एक उभरती पत्रकार वाणी बत्रा का किरदार निभाया है, जो कृष को गीत लिखने में मदद करती है। उनका रोमांस और उसके साथ आने वाली चुनौतियां 'सैयारा' की मूल कहानी हैं। इस जोड़ी को आईएमडीबी की 'पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटी रैंकिंग' में उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार प्राप्त हुआ। ये रैंकिंग विश्व भर के उपयोगकर्ताओं के आधार पर की जाती है।

यह फिल्म 18 जुलाई को रिलीज हुई, जिसके बाद से यह जोड़ी आईएमडीबी की रैंकिंग में शीर्ष पर थी। इस फिल्म में अपने प्रदर्शन के साथ दोनों सितारे विश्व स्तर पर शीर्ष 100 में जा पहुंचे हैं, जिसमें पड्डा 64वें और पांडे 75वें स्थान पर हैं। पांडे ने कहा कि यह उनके करियर का पहला पुरस्कार है और सीधे तौर पर दर्शकों की प्रतिक्रिया से ये मिलना और भी खास बात है। उन्होंने यशराज फिल्म्स, आदित्य चोपड़ा और सूरी का भी धन्यवाद किया। पांडे ने कहा, आईएमडीबी का हिस्सा बनना, इससे सम्मानित होना गर्व की बात है।

पड्डा ने कहा, मुझे खुशी है कि 'सैयारा' और उसमें मेरे अभिनय ने दुनिया भर के दर्शकों को प्रभावित किया है, जिसके कारण मुझे आईएमडीबी 'ब्रेकआउट स्टार' स्टारमीटर पुरस्कार मिला है। दर्शकों द्वारा प्रेरित पुरस्कार वास्तव में एक सार्थक पहचान है..।

'सैयारा' ने रिलीज होने के बाद दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है, जिसके साथ ही ये फिल्म सूरी के करियर की सबसे सफल फिल्म बन गई है।

सूरी ने 'ज़हर, आशिकी 2' और 'एक विलेन' जैसी फ़िल्मों का निर्देशन भी किया है।

स्कूली बच्चों ने बनासवाड़ी सैन्य छावनी में सैनिकों के साथ रक्षाबंधन मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । न्यू होराइजन पब्लिक स्कूल और कैराली निकेतन स्कूल के विद्यार्थियों ने बाइसन डिवीजन के तत्वावधान में बुधवार को बनासवाड़ी सैन्य छावनी में रक्षाबंधन मनाया। विद्यार्थियों का स्वागत गैरिसन कमांडर कर्नल यश अग्रवाल ने किया। फिर, सैनिकों की दिनचर्या से परिचित कराने तथा राष्ट्र के रक्षकों के साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके बाद छात्राओं ने सैनिकों को राखियां बांधीं। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा में सैनिकों के त्याग और बलिदान के लिए आभार जताया।

सैनिकों ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया। साथ ही, सैन्य सेवा की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं, जिससे देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिला। विद्यार्थियों को समृद्ध इतिहास, युद्ध सम्मान और रेजिमेंटल परंपराओं के अलावा सैनिकों के जीवन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन समूह फोटोग्राफ और जलपान के साथ हुआ।

बेटिंग ऐप प्रमोशन मामला : ईडी के सामने पेश हुईं मंचू लक्ष्मी

हैदराबाद/एजेन्सी

अभिनेत्री और फिल्म निर्माता मंचू लक्ष्मी प्रसन्ना बुधवार को बेटिंग ऐप प्रमोशन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। लक्ष्मी सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर हैदराबाद के बशीरबाग स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचीं। ईडी अधिकारियों ने उनसे सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार, उनके साइन किए अनुबंधों और प्राप्त फीस के बारे में पूछताछ की। केंद्रीय एजेंसी ने उनके बयान दर्ज किए और वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी जुटाई। मंचू लक्ष्मी इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाली चौथी अभिनेत्री हैं। इससे पहले अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती भी ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। इन अभिनेताओं से 4-5 घंटे तक पूछताछ की गई थी। राणा दग्गुबाती से सोमवार को करीब चार घंटे तक सवाल-जवाब हुए।

ईडी ने पिछले महीने राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी को इस मामले में समन जारी किया था। प्रकाश राज 30 जुलाई और विजय देवरकोंडा 6 अगस्त को ईडी के सामने पेश हुए थे। यह मामला 29 हस्तियों, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर शामिल हैं, के खिलाफ दर्ज किया गया है। इन पर गैरकानूनी सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने का आरोप है, जो पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, 1867 का उल्लंघन करता है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की है, जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर पर आधारित है। मार्च 2024 में साइबराबाद पुलिस ने विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और अन्य के खिलाफ सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया था। राणा और विजय ने दावा किया कि उन्होंने केवल कानूनी ऑनलाइन स्किल-बेस्ड गेम्स का प्रचार किया। विजय देवरकोंडा ने 6 अगस्त को पूछताछ के बाद कहा कि उन्होंने एक गेमिंग ऐप का प्रचार किया था, जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और लाइसेंस प्राप्त है। उन्होंने अपने खाते, कंपनी और वित्तीय लेनदेन की जानकारी दी। वहीं, प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने 2016 में एक गेमिंग ऐप का विज्ञापन किया था, लेकिन नैतिक कारणों से कोई भुगतान नहीं लिया और बाद में इसका प्रचार बंद कर दिया। ईडी अब इस मामले में वित्तीय लेनदेन और प्रचार गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है।

ईशा कोप्पिकर अपनी अगली फिल्म 'रॉकेटशिप' में निभा रही हैं एक स्नेही मां का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहने वाली ईशा कोप्पिकर ने एक बार फिर युवा प्रतिभाओं के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। अभिनेत्री, जो नए और उभरते टैलेंट को बढ़ावा देने की पुरजोर समर्थक रही हैं, उन्होंने एक बार फिर सुभाष घई के प्रतिष्ठित संस्थान व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल अकेडमी में फिल्म निर्माण के छात्रों को अपना प्यार और समर्थन देकर यह सिद्ध किया है। यह प्रतिभाशाली अभिनेत्री छात्रों के डिप्लोमा प्रोजेक्ट 'रॉकेटशिप' में अभिनय कर उन्हें अपनी अनुभवपूर्ण उपस्थिति और स्टार पॉवर के जरिए सहयोग प्रदान किया है, जिससे इन नवोदित फिल्मकारों की रचनात्मक दृष्टि को साकार करने में मदद मिली है।

ईशा कहती हैं, जब छात्रों ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं इस प्रोजेक्ट में उनका साथ देने के लिए निःसंकोच तैयार हो गई। इन बच्चों में अपार क्षमता है, जो उस वक्त साफ़ नजर आई जब इन्होंने मुझे अपनी कहानी और स्क्रिप्ट सुनाई। मैं इन बच्चों से खुद को जोड़ पाती हूँ क्योंकि इन्होंने भी सब कुछ ज़ीरो से शुरू किया है, ठीक वैसे ही जैसे मैंने किया था। मेरे पास इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं था। इसलिए जब मैं इन्हें अपने सपनों की शुरुआत करते देखती हूँ, तो वो मेरे लिए प्रेरणादायक और संतोषजनक अनुभव होता है।

आज रॉकेटशिप का पहला पोस्टर जारी किया गया, जो यह दर्शाता है कि यह फिल्म एक भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी जैसी दर्शकों ने पहले शायद ही कभी देखी हो।

फिल्म में माँ-बेटी के रिश्ते को केंद्र में रखा गया है, और ईशा कोप्पिकर का किरदार विशेष रूप से दर्शकों की भावनाओं को झकझोरने के लिए गढ़ा गया है।

यह फिल्म व्हिसलिंग वुड्स के छात्रों की अकादमिक यात्रा का एक समापन प्रोजेक्ट है, और एक प्रतिष्ठित अभिनेत्री जैसे ईशा की भागीदारी इस प्रोडक्शन को ऊँचाई प्रदान करती है, साथ ही छात्रों को इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव भी मिल रहा है। उनका इस शैक्षिक पहल का हिस्सा बनना यह दर्शाता है कि वे मेंटरशिप और व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को भलीभांति समझती हैं, जो आने वाली पीढ़ी के फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों के विकास के लिए बेहद आवश्यक है।

ईशा की यह भागीदारी सिर्फ एक अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक खूबसूरत सहयोग का प्रतीक हैजहां उनका अनुभव युवा दिमागों को दिशा देता है और युवाओं की नई सोच व नवाचार उनके खुद के रचनात्मक सफर को भी प्रेरित करती है। स्थापित और उभरती प्रतिभाओं के इस मेल से एक ऐसा सीखने का माहौल बनता है जहाँ पारंपरिक फिल्म निर्माण की समझ और आधुनिक कहानी कहने की तकनीकें एक-दूसरे को समृद्ध करती हैं।

दपरे केआरपीएफ बेंगलूरु मंडल ने 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत बाइक रैली निकाली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), बेंगलूरु मंडल ने बुधवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में एक बाइक रैली का आयोजन किया। इस रैली को बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. श्रेयांस चिंचवड़े और अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंडल कार्यालय से शुरू होकर, रैली रेलवे क्वार्टर और बिन्नी मिल्स रोड से होते हुए केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर वापस लौटी। आरपीएफ बाइक सवारों ने राष्ट्रीय गौरव, एकता और भाईचारे का संदेश गर्व से फैलाया। यह रैली राष्ट्र की सुरक्षा और उसके मूल्यों को बनाए रखने के प्रति रेलवे सुरक्षा बल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'परम सुंदरी' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

सिने प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। मंगलवार को कॉमेडी-ड्रामा 'जॉली एलएलबी 3' के टीजर के बाद अब रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'परम सुंदरी' का ट्रेलर भी जारी हो चुका है। जिसमें परम का किरदार निभाने वाले सिद्धार्थ मल्होत्रा बताते हैं कि उन्हें सुंदरी से सच्चा प्रेम हुआ। सुंदरी की भूमिका में जान्हवी कपूर हैं।

मैडॉक फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दिल्ली का मुंडा परम, सुंदरी के शहर में पंजाबियों का स्वैग और सियापा लेकर आ रहा है! साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी 'परमसुंदरी' आ रही है। तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण दिनेश विजन ने किया है। यह फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'परम सुंदरी' एक रोमांटिक-कॉमेडी क्रॉस-कल्चरल लव स्टोरी है, जो उत्तर भारतीय और साउथ इंडियन लड़की के बीच की प्रेम कहानी पर केंद्रित है। फिल्म की शूटिंग केरल में हुई है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा (परम) और जान्हवी कपूर (सुंदरी) मुख्य भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर में दिल्ली के एक चुलबुले लड़के और केरल की एक खूबसूरत लड़की की प्रेम कहानी को दिखाया गया है। यह कहानी सांस्कृतिक अंतर को कॉमेडी और ड्रामा के साथ पेश करती है। केरल के खूबसूरत बैकवाटर्स, बारिश से भीगी सड़कें और प्राचीन चर्चों की पृष्ठभूमि में फिल्माई गई यह कहानी इसी साल दर्शकों के सामने आएगी। 2 मिनट 40 सेकंड के ट्रेलर में सिद्धार्थ और जान्हवी की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलती है। सिद्धार्थ का पंजाबी स्टाइल और जान्हवी का दक्षिण भारतीय लुक कहानी में आकर्षण को जोड़ता है। ट्रेलर की शुरुआत एक चर्च में होती है, जहां सिद्धार्थ और जान्हवी प्रेम में डूबे नजर आते हैं। प्रेम बताता है कि दुनिया में लगभग 810 करोड़ लोग हैं, लेकिन जिस एक व्यक्ति से प्रेम होता है, वही सच्चा प्रेम कहलाता है। यही नहीं, वे दक्षिण भारत की संस्कृति को अपनाते भी नजर आते हैं। फिल्म के कई गाने पहले ही जारी हो चुके हैं। इसमें 'परदेसिया' और 'भीगी साड़ी' का नाम शामिल है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर के साथ ही फिल्म में संजय कपूर और मंजोत सिंह जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जॉन अब्राहम ने सीजेआई को पत्र लिखकर आवारा कुत्तों के संबंध में जारी निर्देश की समीक्षा की मांग रखी

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता जॉन अब्राहम ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई को पत्र लिखकर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) क्षेत्र से आवारा कुत्तों को हटाने के उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्देश की समीक्षा करने और उसमें संशोधन का आग्रह किया।

सभी आवारा कुत्तों को ''जल्द से जल्द'' सड़कों से हटाकर स्थायी रूप से आश्रय स्थलों में भेजने का उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए जाने के एक दिन बाद अभिनेता ने यह पत्र लिखा है।

जॉन अब्राहम को 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) इंडिया का पहला मानद निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि कुत्ते आवारा नहीं हैं, बल्कि समुदाय का हिस्सा हैं और बहुत से लोग इनसे विशेष लगाव रखते हैं।

अब्राहम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि ये 'आवारा' नहीं, बल्कि समुदाय का हिस्सा हैं, जिनसे कई लोग विशेष लगाव रखते हैं और प्रेम करते हैं, खासकर दिल्ली के लोग...।

अभिनेता ने कहा कि यह निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम, 2023 और इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत के पिछले फैसलों के खिलाफ है, जिनमें हमेशा ''व्यवस्थित नसबंदी कार्यक्रम का समर्थन किया गया है।

जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, एबीसी नियम कुत्तों को हटाने की अनुमति नहीं देते, बल्कि उनकी नसबंदी एवं टीकाकरण करने और उनके पूर्ववत स्थान पर वापस छोड़ने का प्रावधान करते हैं। जहां एबीसी कार्यक्रम को ईमानदारी से लागू किया गया, वहां यह कारगर साबित हुआ। उन्होंने कहा, दिल्ली भी ऐसा कर सकती है। नसबंदी के दौरान कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया जाता है

और इसके बाद कुत्ते शांत हो जाते हैं, उनके खूंखार होने और काटने की घटनाएं कम हो जाती हैं। चूंकि कुत्ते अपने इलाके को पहचानते हैं, इसलिए वे बिना नसबंदी और बिना टीकाकरण वाले कुत्तों को अपने इलाके में घुसने नहीं देते।

अभिनेता के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

आवारा कुत्तों के काटने से, विशेष रूप से बच्चों में होने वाली रेबीज की समस्या के कारण अत्यंत गंभीर स्थिति के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के प्राधिकारों को निर्देश दिया कि वे सभी आवारा कुत्तों को शीघ्रतापूर्वक उठाएं और उन्हें आश्रय स्थलों में रखें।

न्यायालय ने कहा कि समय के साथ कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या बढ़ानी होगी। न्यायालय ने दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाएं।

आवारा कुत्तों की समस्या को ''अत्यधिक गंभीर'' बताते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कई निर्देश पारित किए और चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने के काम में बाधा डालेगा, तो शीर्ष अदालत उसके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | गुरुवार | 14-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे।

प्रभु आप से खुश है या नाराज़?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां केएलपी के रत्नसुन्दरसूरी प्रवचन मंडप में पंन्यासश्री निर्मोहसुन्दरविजय मुनिजी म.सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में एक मार्मिक प्रश्न पूछा 'प्रभु आप से प्रसन्न हैं या अप्रसन्न, इसका पता कैसे लगाएँगे?' यदि आपके नज़दीक़ वाले आपसे खुश हैं, तो मानना कि प्रभु आपसे खुश हैं। और यदि आपके नज़दीक़ वाले आपसे दुखी हो रहे हैं, तो समझना कि प्रभु आप से नाराज़ हैं। परमात्मा को नज़दीक़ रखने वालों के जीवन में सुख-शांति, सद्भाव सब कुछ है, और प्रभु से दूर जाने वालों से सब कुछ दूर चला जाता है। कई लोग गुरु के नज़दीक आने से डरते हैं, क्योंकि कुछ गुरु भी कभी-कभी

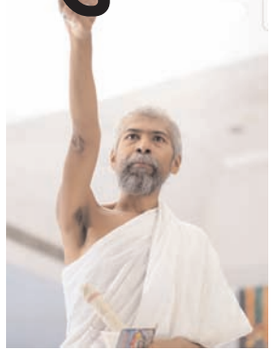

पैसे मांग लेते हैं या नियम में बाँध देते हैं। लेकिन हर एक गुरु ऐसे नहीं होते। या गुरु के सामने आओ, या साथ में चलो, लेकिन दूर रहने से कोई फायदा नहीं मिलेगा। जो भी व्यक्ति दूर रहता है, वह सांसारिक नुकसान से तो बच जाता है, लेकिन फायदे से भी वंचित रह जाता है। माली के कारण बग़ीचा छोड़ने वाले मूर्ख होते हैं, बग़ीचा छोड़ने पर नुकसान बग़ीचे का नहीं, स्वयं का है। थोड़े-थोड़े लोगों के कारण बग़ीचा और भगवान को नहीं छोड़ना चाहिए। इस अवसर पर किलपाक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल व सचिव मुकेश शाह, शांतिलाल जैन व भरत जैन ने ट्रस्ट द्वारा चेन्नई के ईसीआर. मंदिर (श्री तमिलनाड जैन महामंडल) में आयोजित होने जा रहे उपधान तप में जुड़ने का निवेदन किया।

एसआरएम आईएसटी में 21वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के कट्टंकुलाथुर में एसआरएम आईएसटी द्वारा आयोजित 21वें दीक्षांत समारोह में इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन ने कहा कि आप जीवन में चाहे कितनी भी ऊंचाई हासिल कर ले पर ईमानदारी को अपनी सफलता की आधारशिला अवश्य बनाएं। इस अवसर पर इसरो के अध्यक्ष और भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ वी नारायणन और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ एम रविचंद्रन को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद) की उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसआरएमआईएसटी के संस्थापक कुलपति डॉ टीआर परविंदर ने की। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस वर्ष कुल नौ हजार से अधिक डिग्रियां प्रदान की गई है जिनमें सात हजार से अधिक पुरुष तथा दो हजार से अधिक महिलाएं शामिल है। इनमें से कई डॉक्टरेट की डिग्रियां प्राप्त करने वाले पुरुष और महिलाएं भी है इसके अलावा विभिन्न विषयों में अकादमिक उत्कृष्टता का जश्न मनाते हुए 157 पदक विजेताओं को सम्मानित किया गया जिनमें 93 प्रथम श्रेणी 39 द्वितीय श्रेणी तथा 25 तृतीय श्रेणी के विद्यार्थी शामिल है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन उपस्थित थे उन्होंने स्नातकों शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में अपने दीक्षांत संबोधन में कहा कि ईमानदारी कड़ी मेहनत और धैर्य ही सफलता की असली कुंजी है ।

संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ टीआर परविंदर द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने बताया कि छप्पन प्रतिशत से अधिक पीएचडी स्कॉलर्स में 45 प्रतिशत से अधिक महिलाएं है जो लैंगिक समानता और समावेशी उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है । उन्होंने जोर देते हुए कहा कि दूसरों का उत्थान करते हुए सहानुभूति के साथ नेतृत्व करने का गुण विकसित करना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर एम रविचंद्रन ने कहा कि इस पड़ाव पर जब हम पूर्णतया पेशेवरों की भूमिका में आ जाते है तब हमें याद रखना चाहिए की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम समय के साथ क्या करते हैं ।

विनय से ही खुलते हैं सम्यक दर्शन के द्वार : पं. विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने बुधवार को समकित के '67 बोल' ग्रंथ के अंतर्गत दस स्थानों के विनय पर मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि अरिहंत परमात्मा की आराधना उनके विनयपूर्वक ध्यान व स्तवना से ही संभव है। सीमंधर स्वामी का ध्यान इस भाव से करना चाहिए कि वे मैं ही हूँ, यही तीर्थंकरत्व की साधना है। उन्होंने कहा कि सिद्ध भगवान के विनय का अर्थ है, सभी कर्ममुक्त सिद्ध आत्माओं को 'नमो सिद्धाणं' के भाव से वंदना करना। हर आत्मा में सिद्धत्व है, ऐसा अटूट विश्वास रखना। जिनबिम्ब व जिनालय की शुद्धि की उपेक्षा

आशातना है; मंदिर में ऊँचे स्वर में वार्तालाप, सुखासन में बैठकर भक्ति करना, ये सब आशातना के रूप हैं। पंन्यास प्रवर ने कहा कि जीवन में असहाय को सहयोग न करना, अंतराय कर्म का बंध है। परमात्मा के समक्ष जाग्रत और एकाग्र रहना ही सच्ची भक्ति है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिनागम का विनय जिनालय से भी श्रेष्ठ है क्योंकि वही हमें जिनालय की शुद्धि का मार्ग बताता है। ज्ञान जितना संचित कर सको, उतना संचित करो। तीन के समक्ष खमासमण दिया जाता हैं परमात्मा, सद्गुरु और जिनागम। गुणविहीन साधु, साधु नहीं होता। क्षमा आदि गुणों का विनय भी सम्यक दर्शन प्रकट करता है। आचार्य का विनय यानी उनके उपदेश को स्वीकारना, सेवा में तत्पर रहना, और उनकी पालना करना। उपाध्याय का विनय है, सूत्र का सार संक्षेप में बोध कराने वालों का आदर व सम्मान। चतुर्विध संघ का विनय तीर्थंकर व तीर्थ के विनय के समान पुण्यदायी है। सम्यक्त्वधारी और उनके गुणों का विनय किए बिना, सम्यक दर्शन स्थिर नहीं हो सकता। पंन्यास प्रवर ने अंत में संदेश दिया कि विनय ही आत्मा को दोषों से मुक्त कर, सम्यक ज्ञान व दर्शन के शिखर तक ले जाता है।

तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी का सम्मान समारोह 22 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी का सम्मान समारोह, राष्ट्रीय सेमिनार और कवि सम्मेलन का आयोजन 22 अगस्त को ब्रॉडवे स्थित महिला महाविद्यालय कन्यका परमेश्वरी कॉलेज में आयोजित हो रहा है। अब यह आयोजन दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण ने बताया कि कन्यका परमेश्वरी कॉलेज के पत्राचार वूटुकुरु शरत कुमार, प्रभारी प्राचार्य डॉ पीवी वनिता,हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ मधु विनय, अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ हुसैन वली से साथ हुई बैठक में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे से एवं समापन सायं 7:30 बजे होगा।

अकादमी द्वारा दिए जाने वाला जीवनोपलब्धि सम्मान सहित महत्वपूर्ण सेवा देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का विशेष सम्मान भी किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय सेमिनार का विषय 'हिन्दी पत्रकारिता का वैश्विक परिदृश्य' है।

रेला हॉस्पिटल द्वारा अंगदान को बढ़ावा देने हेतु वॉकथन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेला हॉस्पिटल द्वारा विश्व अंगदान दिवस (13 अगस्त) के उपलक्ष्य में अंगदान को बढ़ावा देने हेतु एक जागरूकता वॉकथन का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेज के छात्र शिक्षक डॉक्टर एवं अस्पताल के कर्मचारियों सहित चार सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस वॉकथन का आयोजन अंगदान के संदेश को व्यापक बनाना और लोगों को अंगदान करने हेतु प्रोत्साहित करना था। वह वॉकथन रेला हॉस्पिटल परिसर से मद्रास निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (एमईपीजेड) तक निकाला गया। वॉकथन को तांबरम पुलिस उपयुक्त यातायात समयसिंह मीणा, अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ डीसी गौतमन मुख्य परिचालन अधिकारी मोहम्मद फारूक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अस्पताल की क्लीनिकल लीड ट्रांसप्लांट प्लामोनॉलजी डॉ ऐश्वर्या राजकुमार सहित अस्पताल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रह्मवृक्षम द्वारा 16 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तर प्रदेश से चेन्नई में प्रवासित ब्राह्मणों की संस्था ब्रह्मवृक्षम द्वारा 16 अगस्त शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन माधावरम स्थित एमआर पैलेस में शाम 5 बजे से होगा। संस्था के सचिव वीके तिवारी ने बताया है कि सायं पांच बजे से भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति आमंत्रित बाल

कलाकारों द्वारा दी जाएगी। तत्पश्चात कृष्ण लीला एवं नृत्य का आयोजन होगा। रात्रि बारह बजे श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव एवं महाप्रसाद का वितरण होगा।

एमआरएफ लिमिटेड द्वारा अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम जारी किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमआरएफ लिमिटेड द्वारा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को 30 जून में दिए गए सूचना के अनुसार कम्पनी की समेकित कुल आय 7 प्रतिशत से बढ़कर 7802 करोड रुपए हो गई है जबकि गत वर्ष समेकित कुल आय 7280 करोड रुपए थी। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कर से पूर्व समेकित लाभ इस वर्ष 30 जून को समाप्त तिमाही में 670 करोड रुपए है जबकि पिछले वर्ष 2024 में इसी तिमाही में यह 763 करोड रुपए था। जून 2025 के तिमाही वर्ष के लिए कर प्रावधान 170 करोड रुपए है जबकि कर प्रावधान के बाद इस वर्ष 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ 500 करोड रुपए है जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही के लिए यह 571 करोड रुपए था। आंकड़ों के अनुसार कुल आय में वृद्धि के बावजूद इनपुट लागत में वृद्धि के कारण इस वर्ष 30 जून को समाप्त तिमाही में कंपनी के लाभ में गिरावट आई है। एमआरएफ लिमिटेड द्वारा जारी किए गए वित्तीय आंकड़ों के अनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में आमतौर पर वाहनों की मांग में बढ़ोतरी देखी जाती है और इसलिए ओईएम को बिक्री में सुधार के साथ-साथ रिप्लेसमेंट मांग में भी सुधार होता है।

आत्मनिर्भर बनना सीखो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि हमारे पूर्वज धर्म करने का अवसर कभी नहीं छोड़ते थे, क्योंकि धर्म ही सब कुछ देने वाला है – अतीत में भी दिया है और भविष्य में भी देता रहेगा। ऐसे धर्म की आराधना करना बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने 'परदेसी' की कहानी को आगे बढ़ाते हुए बताते है कि चित्त सारथी ने धर्म के बारे में सुना, वह इसे अपनाने के लिए उत्सुक हो गया और 12 व्रती श्रावक बन गया। आगमकार कहते हैं कि उसमें आत्मनिर्भर बनने का गुण था। मुनिजी ने कहा कि हमें ऐसा निर्णय लेना चाहिए कि लोग हमारे निर्णयों को देखकर प्रेरित हों। व्रती श्रावक

बनने का प्रयास होना चाहिए, तभी गुणस्थान में वृद्धि होगी और आत्मा की प्रगति संभव होगी।

मुनिजी ने कहा कि जब तक हम आत्मनिर्भर नहीं बनते, तब तक दूसरों पर हुक्म चलाते रहेंगे और कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहेंगे। किसी के भरोसे रहने से काम 'पेंडिंग फोल्डर' में पड़े रह जाते हैं। जैसे मोबाइल पर निर्भर रहने से नंबर याद नहीं रहते, स्कूटर पर निर्भर रहने से पैदल चलना पसंद नहीं करते, जबकि हम सब अपना काम स्वयं कर सकते हैं, बस मेहनत करना नहीं छोड़ना चाहिए।

परमात्मा के कथन का उल्लेख करते हुए मुनिजी ने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब है। निर्णय स्वयं लेना, अनावश्यक सोच में समय न गंवाना और दूसरों पर निर्भर न रहना। छोटे कार्यों में असमंजस रखने वाला व्यक्ति बड़े फैसलों में और भी उलझ जाता है। एक ओर आत्मनिर्भरता है, तो दूसरी ओर 'फ्री स्कीम', जो मेहनत को कम कर देती है। जब हाथ-पैर का उपयोग नहीं करेंगे, तो आत्मनिर्भर बनना मुश्किल हो जाएगा।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य अनगिनत सहारों की तलाश करता है और अंत में बेसहारा हो जाता है। जो श्रम करता है, वह किसी पर निर्भर नहीं रहता। दूसरों के सहारे से थोड़ा आगे बढ़ा जा सकता है, लेकिन मंजिल तक नहीं पहुँचा जा सकता। सफलता तक पहुँचने के लिए अपने कदम स्वयं बढ़ाने होंगे। आज की मेहनत ही कल का भाग्य और भविष्य बनाएगी। मंच संचालन संतोष पगारिया ने किया।

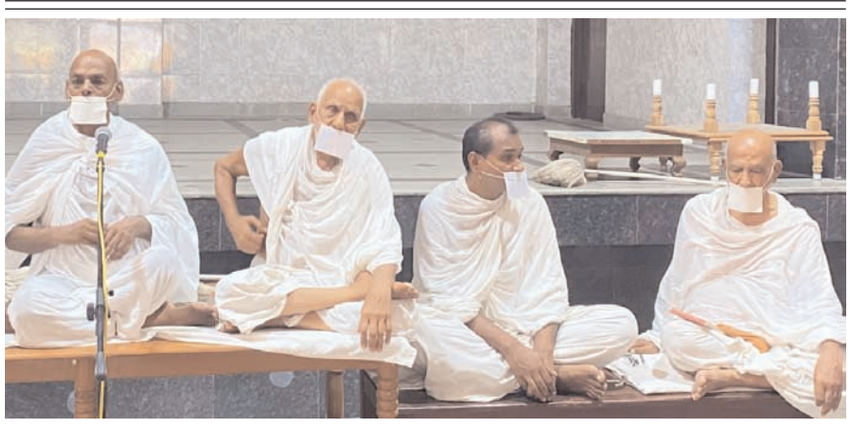

वैराग्य का अर्थ अपने और पराए का भेद मिटाना है : कमल मुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट के जैन भवन में राष्ट्रसंत कमल मुनि कमलेश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई वैराग्य का अर्थ उदासीनता, पलायन अथवा गुमसुम रहना मानता है तो यह उसकी भयंकर भूल है। वैराग्य का मतलब संसार छोड़कर सुनसान जंगलों में चले जाना यदि कोई मानता है तो यह उसकी अज्ञानता है। वैराग्य का सच्चा अर्थ है अपने और पराए के भेद से ऊपर उठकर सत्य का अनुसंधान करना।

मुनि कमलेश ने बताया कि यदि महापुरुष वैराग्य लेकर जंगलों में रह जाते और हमारे बीच ना आते, तो क्या आज आध्यात्मिकता का बगीचा गुलजार होता। उन्होंने कहा कि तन की आसक्ति खत्म हो जाए मृत्यु का भय जिसको नहीं सताए लक्ष्य प्राप्ति के लिए निर्भयता पूर्वक निरंतर आगे बढ़ता रहे राजा जनक की तरह विदेह अवस्था में रहे और कर्मों का बंधन न हो संसार में रहकर भी निंदा और प्रशंसा करने वालों के प्रति समान भाव बना रहे यही सच्चे वैराग्य का लक्षण है। गले तक विलासिता सुविधाओं में डूब कर वैराग्य का राग अलापना आध्यात्मिकता के साथ धोखेबाजी है यह धर्म गुरु और परमात्मा की आंखों में धूल झोंकने के समान है। जैसे दिन और रात एक साथ नहीं रह सकते वैसे ही विलासिता और वैराग्य जीवन में एक साथ नहीं रह सकते विलासिता और वैराग्य में 36 का आंकड़ा है। जैन संत ने कहा कि माटी और सोना दोनों जिनकी निगाहों में समान होता है जो अपमान को भी अभिनंदन के रूप में लेते हैं वही व्यक्ति सच्चे वैराग्य से परिपूर्ण है। देहातीत अवस्था में जीने वाला कर्मयोगी संसार में रहता हुआ भी वैरागी होता है और जिनके दिलों में संसार बसा हुआ है, वह संत होकर भी संसारी है। वैराग्य के बिना तृष्णकाल में भी साधना प्रारंभ नहीं हो सकती, प्रभु के नजदीक नहीं जाया जा सकता, मोक्ष प्राप्त नहीं किया जा सकता, सभी धर्म का मुख्य उद्देश्य है वैराग्य प्राप्त करके वीतरागी बनना।

संत समागम पुण्य उपार्जन का स्वर्णिम अवसर : साध्वी दिव्यायशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि बारिश के मौसम में बिजली में घर्षण का और चातुर्मास में संत दर्शन का बड़ा ही महत्व है, क्योंकि संतों का चार मास तक स्थिरावास होता है। यह समय पुण्य उपार्जन का स्वर्णिम अवसर है। साध्वीश्री ने भगवान श्रीकृष्ण की कथा के माध्यम से बताया कि आज व्यक्ति के पास लक्ष्मी नहीं है तो कोई कद्र नहीं करता है, उसका सम्मान नहीं करते। उसकी तनिक भी पूछ नहीं होती है। किंतु एक गरीब दीन व्यक्ति जो संत के प्रति श्रद्धा रखते है। उनके पास भी लक्ष्मी नहीं है। फिर भी संत के बदौलत वे जीवन में हर बार सम्मान-सत्कार के पात्र बनते है, क्योंकि संत कृपा से अहंकार मिटता है। भीतर में शालीनता, विनम्रता आती है। मोहनीय कर्म, मोह का नाश होता है। साध्वी मल्याश्रीजी ने कहा कि वैज्ञानिक आइंस्टिन ने बहुत शोध किया, अब्जेक्ट(पदार्थ) की खोज की, आविष्कार भी किए। तब वैज्ञानिक ने कहा कि मैंने अब्जेक्ट को तो खोज लिया पर सब्जेक्ट (आत्मतत्व) को ही भूल गया। उस आत्मतत्व को ही भूल गया, जबकि पदार्थ, वस्तु और भौतिकता में ही उलझा रहा।अ संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने धन्यवाद दिया।

दर्शन, ज्ञान और चरित्र की आराधना से ही आत्मा का कल्याण : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म के तीन उपदेश, जिन्हें रत्नत्रयी भी कहा जाता है, सम्यक दर्शन (सही विश्वास), सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान) और सम्यक चरित्र (सही आचरण) हैं। ये तीनों जैन धर्म के अनुयायियों के लिए मोक्ष प्राप्त करने के मार्ग में आवश्यक माने जाते हैं। प्रथम सम्यक दर्शन जिसका अर्थ है,

सच्चे सिद्धांतों में विश्वास रखना, सच्चे देव, शास्त्र और गुणों में श्रद्धा रखना। यह जैन धर्म के मूल सिद्धांतों में विश्वास है। द्वितीय सम्यक ज्ञान जिसका अर्थ है, सही ज्ञान प्राप्त करना, जो वस्तुओं और परिस्थितियों को उनके यथार्थ रूप में समझता है। यह ज्ञान जैन धर्म के सिद्धांतों और दर्शन को समझने से प्राप्त होता है। तीसरा सम्यक चरित्र जिसका अर्थ है, सही आचरण करना, जो अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे व्रतों का पालन करके प्राप्त होता है। यह जैन धर्म के नैतिक नियमों का पालन है। इन तीनों रत्नों का पालन करके, जैन धर्म के अनुयायी अपनी आत्मा को शुद्ध करते हैं और मोक्ष की प्राप्ति के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं।

रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में विधायक कार्यालय में कोयम्बटूर दक्षिण की विधायक एवं भाजपा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष वनाती श्रीनिवासन ने रक्षाबंधन का आयोजन किया। इस मौके पर अनेक उत्तरभारतीय मूल के लोगों ने उनसे राखी बंधवाई। उन्होंने सभी को राखी बांधी और मुंह मीठा कराया। इस मौके पर हितेष सुथार, पत्रकार किशोर जैन, ललित भाटी,नरेन कोठारी, अभिषेक दोशी, तारा छाजेड़ आदि उपस्थित थे। इस मौके पर सभी को 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत घरों पर ध्वजारोहण करने की शपथ दिलाई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.